

THE
RUBY
EXERCISE BOOK

भजनबली

DHAR BROTHERS
82, HARRISON ROAD
CALCUTTA

THE
HISTORICAL
FIELD BOOK

1894

DEPT. OF AGRICULTURE
BUREAU OF PLANT INDUSTRY
WASHINGTON

रागमालतीतालचोपा॥ ॥ श्री भुवनसाहिनीहे; कुमारी: ही:
 मनाही नी॥ होदे; मंगलमहादेव; दवावाजे॥ होदे; मातादेवी;
 कुमारी अलुहली वासे॥ हा होदे; श्री भुवन; स्वमित; नंदी मीनी
 सावे॥ १॥ ॥ रागमालतीतालप्रता॥ ॥ जय २ भईर
 जयसी वीवाही नीहे॥ होदे; जयचंदी रानी; भईर कुमारी॥
 जय २॥ १ ॥ होदे श्री भुवन मोही नी; परमवी; रानी नीहे होदे
 श्री रमाहादु; नीप तीसा होदेव; परताप॥ जय २ भईर॥ २॥
 रागगौरीतालचो॥ ॥ जमने स्वर्धनयाहुने उधारे; जमने स्व
 र॥ १॥ कहनादीली न स्वर्ग जगत सताल वस्य॥ जगतीजन
 न स्वर्ग पाहुनेवी बाला॥ जमने स्वर्॥ १ ॥ हा कहल दीदा लया
 क्षमाया न सलया॥ सल सवा सवीन; दीपली पाकेस॥ जय
 नेतो॥ २ ॥ १॥ ॥ रागगौरीतालचो॥ ॥ आली हे पुनी गा
 वनलाय २॥ १॥ जगत सलीली पाकेस न पदु दीवीनान॥
 परा पुन्य सत सभाव सुदु फीक॥ आली॥ १ ॥ हा कहल या
 तन जन; क्षमा न जीपनीया॥ दी वल सवा सवीन; जमल
 दान॥ १ ॥ १॥ ॥ राग मोहावन श्री तालन॥ ॥ मोहन गोपी
 नाथ; स्वर्ग जी अन्याथ॥ १॥ अगती लया दीगती; बायज फु
 आली॥ लुकु पुनी देवी पावन नाथ; स्वर्ग जी अन्याथ॥ हे गोहन
 ॥ १ ॥ काज कोवेलो अती दुलसी सनती॥ मय ना

दी श्री पुवन्ना नाथः स्ववजी अनाथ ॥ हे मोहन ॥ २ ॥ आया मोह
 थास उगल अती वीवक जाने ॥ थका वजी ज दुफल नाथ स्व
 वजी अनाथ ॥ हे मोहन ॥ ३ ॥ नल सल वीवक लना कृपाति
 न ह्मा कल पा नाथ लपुः नाथ स्ववजी अनाथ ॥ हे मोहन ॥ ४ ॥
 एग मालो वना श्री तात प्रता ॥ ॥ आरती पाय भाव भगति
 नः आरति पाय ॥ ५ ॥ एत न मोले स माले पले ल्वान ॥ जो ना व
 व मदर सन लाय ॥ आरती ॥ १ ॥ ह्मा यदी दाल नः जर म तु एत न
 अंत स म ते ले दी न जी वाय ॥ आरती ॥ २ ॥ ॥ ॥ रा ग गौरी तात
 ली ॥ ॥ दीव्य उगली ॥ म जीः भगती भावः कल जोती रूप
 लाध नाय ॥ दीव्य उगली ॥ ५ ॥ लत सः स पल कोतीः लवील
 नलः अनत सी नी वास ॥ देव दर्ते दनुज आवः सी व भाव ना
 ॥ आरती ॥ १ ॥ अ मल क मल वी एमः दल नल क सी वा म ह्मा
 जय परकासः मुर्ज वंसी जोग भाव ना ॥ दीव्य उगली ॥ २ ॥ ॥
 राग धना श्री तात ली ॥ ॥ हं सला ल उधार या क जगत जननि
 ॥ ५ ॥ ॥ इत हे मगी ऐ सः सुव की ती वी हार स ॥ आनदन २ वी
 ज्मा व श्री ह्मा स्वा पीनी ॥ जगत जननी ॥ हे सला ॥ १ ॥ तन मन भा
 न पायः पुजा पुस्य धुप बोस्य ॥ फल पुल २ द्वा एप आरती माय ॥
 जगत जननी ॥ हे सला ॥ २ ॥ पण जन तोल तावः वया ठनी
 परदेस ॥ मुदीली न २ द्वा व कुल न नान ॥ जगत जननी ॥ हे स

सप्तमः ३ ॥ कहना श्रीनीलोचन सोव सव जन याते ॥ फुल
की नर पाप मोह जाल ॥ जगत जननी ॥ हे लला ॥ ४ ॥ ईदु नग
हाल स जो; हाक हराजे वा सुदास आली २ थाक थाक उ
आ ॥ जगत जननी ॥ हे संता ॥ ५ ॥ ॐ ॥ राग प्रालुचना श्री
ताल प्राणा ॥ ॥ आली भाव भगतीन लाय ॥ कुं। मायादे
वीया वालघ; लोक प्रतिपाल याक ॥ वल जुल श्रीला क्य मु नी
अवता ॥ आली १ ॥ ॥ भगत या जुल आला दीवी नाम्
दु जोला ॥ जीप नी या जुल दीके; तन मन भाग ॥ आली २
॥ हाक हरा अ ना थली स्प; वरा या स्वा मी दीन ॥ पन ठ पु
रे याक; श्री री भगवान ॥ आली ३ ॥ ॐ ॥ राग प्रालु च
ना श्री तात ती ॥ श्री श्री एन-चल के भजनान मो ॥ कुं।
पुष्प सुभान को सर्व पाप मोचन ॥ भजन श्री प्रनु सा म्भ
मी स्वा; चलन मो ॥ श्री श्री रत्न ॥ १ ॥ स्वर्ण श्री प्रगा दे कि
जा लोता को न मो ॥ तई लोके प्राता जगदी स्वरि वै; चल गा मो
श्री श्री रत्न ॥ २ ॥ संघत ई लोके ना थ; सर्व लोक पालन ॥ कह
ये हे गु ना थ; भको प ती पाल; चलन मो ॥ श्री श्री रत्न ॥ ३ ॥
राग श्री प्रा संताल मो ॥ ॥ पल्लव धराज कुशा ॥ कहना
या धनी ॥ कुं ॥ सींधला घुरा हा न ग ॥ आजना पाल पु
लष ॥ पल्लाठ दय काव; लगान नी जाक; पल्लव धरा ॥ ५ ॥

स्पमतकगएलः जीतेयमावीआकः जीतेः पायधुनगुराज्यतो
 लताववीआकः पत्तस्पष्ट ॥ २ ॥ राजभोगतो लतावः तपोव
 नवीआकः ॥ हाकल ३ गपानीजनरसापायमालः पत्त ॥ ३ ॥
 रागवीआनतालवजती ॥ ॥ प्रभुजीनगधेकैनेः लकली
 नीयाजाले ॥ स्वयअतीलुधरेकपतीयाजाले ॥ अतीदु
 वजाले ॥ व ॥ धलपोलनीहलयाः आतापुतीमाले ॥
 आहुतीवीईथनीः धमीजुईफाले ॥ अतीदवजाले ॥ २ ॥
 नीपजयपकासमल्लनहाकले ॥ जुगुतीनगधेपायेः जुई
 वलहाले ॥ गपायप्रतेआवे ॥ ३ ॥ ॐ ॥ रागवीरहीनीतल
 ली ॥ स्ववपासागधीनरीजन ॥ ॐ ॥ वनसवालुदीपु
 स्पवीआकएलन ॥ फयाथेजीपीधानवनामलातवलन
 स्ववपासा ॥ व ॥ जमुनाघातीएलजस्वदापाकाय ॥ व
 यावजीमीलाजातः वानायनअनस्ववपासा ॥ २ ॥ कदम
 सीपापाकासः कीचकावचोन ॥ सुललालवोनायनः पीचाया
 भावन ॥ स्ववपासा ॥ ३ ॥ कुकततकानजुपाः कलीवचन ॥
 केनकावजीतमनः अमेगकाल ॥ स्ववपासा ॥ ४ ॥ डोलधल
 दीमधुकेः वलुमना ॥ मननमफजीनडईनीधेनेने ॥ स्वव
 पासा ॥ ५ ॥ पीरतीयापासवोनवपना ॥ ललीकिलवोना
 यनः सयभावन ॥ स्ववपासा ॥ ६ ॥ नागरसावजनया

वीनतीनेहुने॥ जनरु पुएपावः गोपालप्रभु न॥ स्वकपाला॥
 रागपहलीतालगदा॥ ॥ देआवजीवनेकस्त २ जुगुतीनतप
 ठास्वानभाला॥ जीनहनेस्वानभाला॥ दायः हरिपा चरनम
 ठास्वानदया॥ १ ॥ भगती भावनतल्पः तपावेगुनअन
 द्राया॥ दपालकमीपास्वामीः जयपरकासमस्तसतायका
 व॥ २ ॥ ॥ रागलारंग ताल नो॥ ॥ जयप्रभु भगवान
 भुवनपाईस्वरी॥ दीरुपगुन पावधानः अजुगतिरस्तमतीप्रा
 ननाथेह॥ १ ॥ स्वभाववतथास्वना प्रकाशः भगदीस्वरी॥ कल
 ना मीषानस्वस्व बी वलु जुगुतीः रस्तमतीप्रा ननाथेह॥ ३ ॥ ॥
 राग तालगद॥ ॥ अतपुरी जाई चलोः मनकेडदाते॥ पक
 चीतपक मन चलीयेहो जिएन नचलीय आजो॥ १ ॥ सग
 चार सुनीय केतनके अदीमाना॥ एडे वीकमसाहा मनवि
 पसीलोम ती चलीय आजो॥ २ ॥ ॥ राग आलीतालतर्ल
 देवीदुस्का मीनी भजनानी पाय आली॥ कु॥ सीललप्रतु
 कलु पाहेरानी धुस्पतया॥ होदे जोसाजुल देज न नीरस्त
 जापावेः पाये आली॥ देवीदुस्का मीनी॥ १ ॥ जगतपा
 ठकुगमीः जगतमोदीनी देवी॥ तेजलुर्ज चक्रपापा उनः पाय
 आली॥ देवीदुस्का मीनी॥ २ ॥ सलालपा आलादीकेः
 पाना नोनहुमाता॥ १ ॥ सलपालीः देजननीः केमत ननजनि

पाय आरती ॥ देवी दुर्गा स्का श्रीनी ॥ ३ ॥ हूँ कलहिदा जननः
हूँ नावीन तीव चना ॥ स्वयं तलः हे जननी २ कल नान भ को पा
य आरती ॥ ४ ॥ ३३ ॥ राग गालु बाधना श्रीता ल चो ॥ ॥
आरती हे नु नी भावन पाय ॥ ५ ॥ देः जगत सखी श्री य क ज
वम दु हो वी नान ॥ धर्म स तन तस्य भाव दु फी क ॥ आरती ॥
॥ ६ ॥ हूँ कल पात न मन ज्ञा पाव जी प नी या ॥ धो च ल स
वाल वी व ज र म ल दान ॥ आरती ॥ ७ ॥ ३३ ॥ राग आरती ताल त
॥ देवी दुर्गा स्का श्रीनीः ज जननी पाय आरती ॥ सी ल स म तु क लुं या
हे र न ती व्युत्प त पा ॥ जो ला स हे जननीः र त न या पावः पाय
आरती ॥ ८ ॥ जगत या थ कुरा नी जगत मो ही न दे वी ॥
ते ज च द मा या इ नः पाय आरती ॥ ९ ॥ सं ला त पा आ ला
दी केः पा ना चो न र मा ता ॥ ब ल पो ले हे जननी २ को ल न ज न
नी पाय आरती ॥ १० ॥ ३३ ॥ राग आरती ताल चो ॥ ॥
भाव न ला य अ ने ग भ ग तीः ग ह द आ ल नः आ न द जु ल व
स ॥ र स न वी ज्ञा ना व चो न गु या चो ल ॥ भा व ॥ ११ ॥ ज
ब ल च क स म र जु ल व व व स ॥ ग न व ना ए य न यी ६ र न ॥
भा व ॥ १२ ॥ श्री म ही दू तीं ह या व ल वे तु आ ला ॥ ज ग त स
उ प का र भा व ॥ भा व ॥ १३ ॥ ३३ ॥ राग आरती ताल प्र ता ॥
दे वी आरती री जु के आ गे ॥ ज गं ना थ की आरती गां र

जरनजरनसुः जहाननपुः देवो आरती॥ १ ॥ श्रीगणेश
मल आरतीगाने॥ मान भगतीमोः आनंद तोरे देवो आरती
॥ २ ॥ ॐ ॥ रागधन श्रीतालली॥ ॥ श्रीस्वयं नु चलाय
भाव आरती॥ ॐ ॥ श्रीभुवनमानाथजुस्तेः सताउधारपाक
जगतसंसारनयाय भाव आरती॥ श्रीस्वयं नु॥ १ ॥ ह्वाक ह्वा
तनमनः चानक्षीनदी भजना॥ वीषवातदोषद मकास भाव आ
रती॥ श्रीभु॥ ३ ॥ ॐ ॥ रागधन श्रीतालली॥ ॥ भगती
भावक एतजोतीरूप साधनादीं च आरती॥ ॐ ॥ रत्नत च
पलकोती ह्वा चालच एतक मल श्रीनीवासो देवदेव २ भनु
भ आदी बुध भावना दीप्य॥ १ ॥ अमलक मलवल वीराजः
अमलवासः श्रीनीवासो ह्वा अय परकास लुज्य वंसी जागना
नना दीप्य॥ २ ॥ ॐ ॥ रागधन श्रीताल पक ताला॥ ॥ जेवा
रहु ह्वादीः ह्वा आः सनः वीलीः मालीनी जे ह्वा ह्वा आजा
नहीकाः लुः घसेः पुनी॥ ह्वादीः वीषः नेः पलानेः पवीः पा
लीनी॥ ह्वादीः ह्वादीः मालाः ह्वादीः लुनी॥ कवनेः पलानेः
पवीः मालीनी॥ ह्वादीः पवीः नेः ह्वादीः मालाः ह्वादीः सवालः ह्वा
घीलेभाः लीनीः पवीः माली॥ ३ ॥ ॐ ॥ रागधन श्रीताल नो
ह्वादी मालीनी ह्वा दानवगन अवः बीज न सव तीलीः उ नय
वीतः जोधी पजाने॥ ह्वादी माला चोचनः पावक सनवः

दीव्यकुलः मनीजय भाव श्रीः दात्री नीहे ॥ १ ॥ होदे भुपति
जगजयः नरबाहादुर नीपः भयभीत जा धीप जाने ॥ होदे सुरप
तीकपीतः मानस भवः दीती कुल मनीजाय भाव श्रीः दात्री
नीहे ॥ २ ॥ ॐ ॥ राग वलादीताल नो ॥ ॥ होदे कनक मणि
मयः अमुषना गोलातन ॥ होदे लोचन लालवी साईः लो
केगायः गाइरे ॥ १ ॥ होदे तुनीयन वन मरिः द्विदय उदा
स भयी ॥ होदे प्रभु उपदे हो मो हीनीः उपदे लो मोहीनी
करिरे ॥ २ ॥ ॐ ॥ राग वलादीताल गद ॥ ॥ होदे आली अ
वः तन मन करि पर लखेली ॥ ॐ ॥ होदे कुलु मनी दुरत तु
रः मनी मय भुवन स्नेह ॥ होदे नद नाक मल धे नयन
धदन स्नेह लवना लदः जग मोहे ॥ १ ॥ होदे गजन हः सहली
तः ललीतनः पुरहीत ॥ म न न बाहादुर सरसी ज पीह ही
तः तन मन करि पर लखेली ॥ आली अ व २ ॥ ॐ ॥ राग
मत्त गुरु केन मो प्रेर प्राना ते ॥ ॐ ॥ आदी पुरुष प्रभु केः
जुग जुग व्यानीहे ॥ इह क हलन मोर म म ल व भावे ॥ सत ॥ १ ॥
पुनी सान मतोहेः भव दुषता हे ॥ लकल प्रा नी सतो २ की पा
मुष राया ॥ सत ॥ २ ॥ अनय अनय जानीः सर्व पाप मोच
नी ॥ आली भाव नर लव मन पाए ॥ सत ॥ ३ ॥ ॐ ॥ ॥
राग वी भास ता ल खो मी ॥ ॥ नमो देवी श्री भुवन्या एनी ॥

ॐ ॥ देव जगत मोही नी पाता ॥ श्रीवा घावरी देवी ॥ प्रता ॥ सुज
कोती नैज बुधरतलक ॥ देवी भवानी श्री भुवन्धारानी ॥ चो ॥
हो दे गलत मोल पाताला अती सो भालाक ॥ १ ॥ हो दे ॥ सील
सजतु कनुं पा ॥ चंड कला थीक ॥ नमो र देवी ॥ १ ॥ ॥ ॥ हो दे
वी सुनु मती न दे म ती संघती र्थ पाचा न स ॥ प्रदा ॥ जो ग
नी ग्र न पु न र का व ॥ देवी भवानी श्री भुवन्धारानी ॥ चो ॥ हो दे
हल आ पा न वरा अती स्व भालाक ॥ २ ॥ हो दे अ सु र संहार
पास्प वी ज्मा कर सन ॥ नमो र देवी श्री भु ॥ २ ॥ ॥ ली तो ॥ हो दे
कल पात न न नदी चर ॥ स ॥ न स ॥ ॥ प्रता ॥ हो दे कल नात पा
न दी न र व स ॥ देवी भवानी ॥ चो ॥ हो दे नी प ज प पर का स घा
क व स पा ध्या न ॥ ॥ ली ॥ हो दे ल लाल उ धार पास्प ॥ वी ज्मा
कर सन ॥ नमो र ॥ देवी श्री भुवन्धारानी ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥
राग कोला ताल चो ॥ ॥ श्री गुरु पू ज स न व व पा दी के स
न ॥ ॥ ॥ सील ल म तु क पु स्पे ॥ गलत का पा स्प व न पा ला ॥ व
जु पा रें घा सा ग जो स्प र सन वी मा क ॥ श्री गुरु ॥ १ ॥ ॥ वं वं वं दे
वी गन ॥ वी ज्मा ना व ॥ ३ ॥ नंदनी ॥ ली सात जगत दी न र ॥ पा पा स्प
वी ज्मा क ॥ श्री गुरु ॥ २ ॥ ॥ हा कल अना च जन हाना वी न नि
व चन ॥ म न र थ पु र पा व न गत घ ना व ॥ श्री गुरु ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥
राग लाल प कला त ॥ ॥ मगवान लोक ना व इ स्व र हे विस

एननहीनिसेकेवल प्रतीपालेहेकर नाप्रयजुग प्रजेतेके ॥
ए श्रीनाथदीना नाथ मदींद्रनाथार थजाशदएसनलोक
प्रकासःअपेहेजोग नेंद्रमाहाएजा ॥ १॥ ॥ ॥
रागराजवीजयताल जीमागवाए ॥ ॥ जैलोक नाथःक
रुनाप्रयसेतवर्न प्रकासेःनेतीलकोती देव प्रकाशित
सतोपानीउधालनी ॥ मजदुवताएःदेहोचतुरवर्गफ
लदाताः अनुतरवोधीग्यानवलफलयता ॥ श्रीलोकना
थचएनसए ॥ १॥ ॥ रागसांगताल चो ॥ ॥ चलोअ
अनभगवाननमोनाथो ॥ १॥ ॥ जपतपग्यानध्यानसमु
हितःशिसजती ॥ तुलसीसमदन करीयःहेसुदास ॥ ॥ चलो
॥ १ ॥ अनतमहीपतीनृपएवाहादुए ॥ नरपातजीधुनके
नरप्रतीभाने ॥ चलो ॥ २ ॥ ॥ १॥ ॥ रागवाहागताल प्रता ॥
नाथईएः कृपालदेवीय ॥ सुमेरुसीखने गुरुकुलरेषि
घसुवभोगनहीमेरेआजो ॥ वासएकईस्वगृहमेरेवीधोली
त ॥ वीफलकएमेरेकपोतजए ॥ नाथ ॥ १ ॥ दीनरदुष
बदेवीः गुरुद्वारेदोरिके ॥ उदीजाईजानसहीपि ॥ दुआता
बीलबीलागुनीरहे अनंतकेलएईमोप्रानआधादीन
॥ नाथ ॥ २ ॥ सागरआकासगगनदीसा सुवत्सल सुवनहीमे
रे ॥ चकीतव्याधीनेषपीचतवानम्ब ॥ काहाजाय नएनहना

रे॥ नाथ॥ ३ ॥ ॥ राग व्याहागताल प्रता॥ ॥ श्रीपुष्प
पत पापदुर्जीतसी वाथनी॥ गव्येहनेहे हाः दुगुलीजरमोहे
आदी नाथः स्वयत्तल कल नानेहे आदी नाथ॥ १ ॥ कपतया
पासनकेनथनीः होजरमा॥ कामसपी नाव जीवयागेहेआ
दी नाथो॥ २ ॥ कमलकुमार भादवसीता॥ नेनेनालजर्मपा
वचनोहे आदी नाथ॥ ३ ॥ प्रभुजगत नाथहे आदी नाथो॥ ४ ॥
राग बंसंतताल बे॥ ॥ होदेः नुयो प्री यमदरीरानीः तपोव
नसवने॥ ५ ॥ होदेः द्रवपुत्राजकुमारः पुत्रीकुलजाजीनीसेआ
॥ जाहाएनीस हीतनर तपोवनसवनेहे नुयो॥ ६ ॥ होदेः द
कोलोकवीरहनः व्याघावलीत्यवत॥ होदेः द्रवर ६६ वेधीया
२ लोकपुत्रपातरेः नुयो॥ ७ ॥ होदेः १६ सजोजलपावः लल
नीदानयाय॥ होदेः नृगवनया नृगवया २ १६ चक्रायने
नुयो॥ ८ ॥ होदेः १६ दानयाय पुनः ६५ पुत्रनुकीदीस्य॥ होदे
कातरानीएजकुमार २ पमलालायेनेहे नुयो॥ ९ ॥ होदे
स्वानफलवनया स्वभाः स्वराएनीकोकीलहालगु॥ होदे जय
नमो पुष्पयागुर जपतपनीयायेः नुयो॥ १० ॥ ॥ ॥
राग असु नीताल॥ ॥ रहनओर्जिताए सुभागुमान सुधाजक
बोली॥ ११ ॥ ६५ मनसं वी चालमदयाः ६५ यानागुषनेमदु॥
अवीव्यकी गुमा नीजुई मनसकोधजकई॥ रहनओर्जिताए॥

॥ १ ॥ कायज चासतुतवनाः हरी नाम कुसपीया चोनी ॥
 पीएवील प्रभुन धनी २ नरसीं ध जुयावे के नी ॥ हहन आर्जिताए ॥
 ॥ २ ॥ अधर्त याना धनदयकाः जी शु धन काकापीया चो
 नी ॥ वनेमा लीपो चो जुया २ धन जक गध धने दर्दी ॥ हहन आ
 र्जिताए ॥ ३ ॥ सीमा या चो ल धन गस्य चो नाः उगुसीमा पाले
 तेन ॥ उगुसीमा ज्वलतुली २ ठ वजक कुतीन बई ॥ हहन आर्जिताए ॥
 ॥ ४ ॥ वीन जोन ल वल धाननः भुजीलाना चो नतीनी ॥ वल
 धानन भालेपन फु रली पतल वत धेने नी ॥ हहन आर्जिताए ॥
 ॥ ५ ॥ काल पाले चीते धनीः काल मरु धका चो ना चो नी ॥
 प ल ध जी चो ने पात २ वील जी ध धे नी नी ॥ हहन आर्जिताए ॥
 ॥ ६ ॥ जम दुत जो नाय नीः जम ए जा पा धा धेन कई ॥ बुधे पाय
 माली धर्त पाप २ जम पाल चीना तई ॥ हहन आर्जिताए ॥ ७ ॥
 हा कल पावीन नीनः कल ना न ध व जी वन ॥ स्वध मा ल नी चा
 लन २ बाल ध वल ध ना ॥ हहन आर्जिताए ॥ ८ ॥ ॐ ॥ ॥
 राग बला दी ताल चो ॥ ॥ हे माई कुत की वहु लो दुष आग ॥ १ ॥ वयाढ
 नी वी देलतः गीरी नंदी पाए पाए ॥ वी ध ते ल द ए ल न आवः हे माई ॥ २ ॥
 ही र्दी याना न का एः चो ना पनी दी ल ल ॥ स्वध ते ल गगत धना के मा
 ॥ १ ॥ नर जन लोक पनीः मते त ध का ल ॥ हा हु ने जी म न धा र ल नः हे माई
 ॥ ३ ॥ दुष धा पालन चीतः वी हु ने जी पा र पा ए ॥ पा हु ने ल लाल उं बा
 धा लः हे माई ॥ ४ ॥

श्री गणेशाय नमो ॥ श्री शनिभक्त्या नमस्तुते ॥ १ ॥ रागः सारंगः तालः ॥
 हे पिता अवस्पीदेव तातवना ॥ १ ॥ देः निमंत्रनाया नावतया हः विज्याक श्री न
 गवान ॥ अनेगभिद्यु नलीतकावः देव नै चोनाववीज्याक ॥ हे पिता ॥ १ ॥ देः
 थथिनरूपनथनविज्याकनः चिकुतिउपमानतयाव ॥ सुवर्नयागुदेसलावत
 थुनाव्यासः मिषाक मानयावान ॥ हे पिता ॥ २ ॥ सुवर्नमनुकः पयथिकुद
 लः गलसेहलमनिमाल ॥ विचित्रचिवलेहगुलिवसत्रनः केवलगंधर्वयारूप
 ॥ हे पिता ॥ ३ ॥ अनेगलयाज्यानागुधिदोलिकाः कया वपिन्द्र पावजोना ॥ थ
 थिनरूपनः रसनविज्यालेनः जवंधवंपुजाफसे ॥ हे पिता ॥ ४ ॥ कमनं कम
 नः जीदानसालासः वीज्याक पुजाफयाव ॥ धनगुहस्तसः चोत्रपिन्द्रपावः
 वनाव आनंदजुलो ॥ हे पिता ॥ ५ ॥ स्वीयायादिलजानः थनावपिन्द्रपावः
 लवहायत्पवलेहल ॥ अनेगआसिधानः धंदेप्रतेधयावः कासेलिअतथा
 नजुल ॥ हे पिता ॥ ६ ॥ ग्वह्रग्वह्रसयाः मनयाईध्यानः थुगुप्रकारनधाल ॥
 वल्लयाव्यानः दारीद्रदुषनः पापनतेलतावः वनाव हे पिता ॥ ७ ॥ ध्वने
 जिभापनः श्रीसोकेसिंहनः विवगुआसिधालाना ॥ नृपति श्रीजयः राज्य
 प्रकासयाः अघन्दपरतापवलो ॥ हे पिता ॥ ८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 रागः गौरीसारंगः तालजती ॥ जावरि मेरि प्रानः लेराज्यस्वभा
 मलेः जावरि ॥ १ ॥ हर्षविस्तारआजुः चमकृतपहिरा ॥ जुलतवेसालेः मे
 नियहाप्पालेः जावलि ॥ १ ॥ जनमसुफलआजुः करमसुफलयेही ॥ श्री
 एनवाहादुरभानियेहाः पालेजावरी ॥ २ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

राग॥ भेधसांग॥ ताल॥ चौमां ग्वारा॥ ॥ जेसंघर्ष ईस्वरनाथ॥ प्रभुविरीं
चिनारायन॥ संसारयाः थवसत्तध्यानयाविजुरे॥ नरकसचो नल्ल जाथ
काई सुनान॥ विरीं चिनारायन भालपावजिनेरे॥ जोगनेरेंद्र धायसिध
गुसाहारे॥ १ ॥ ॥ ॥ ॥ रागप्रथमंजलि॥ तालप्रता॥

दे; वसुदेव चले अवनीपधरजाई॥ मनमेसमेस लसकरले जाय; य
हावसुदेव चले अवनीपधरजाई॥ १ ॥ दे; राजिन्द्रविक्रमसाहोदेवन
॥ विवाहाकर्मकलिहे; देवसुदेव चोखरजाई॥ २ ॥ जोगसविज्याक २
भगतवअतिजाक; कामुनापुरनयाक॥ होदनृपति श्रीजगतजयनन्दा
क॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ राग॥ श्रीः ताल ॥ ॥

सतगुरु विवजित बुध्यासर॥ १ ॥ कलियाजिजूरमस मफुया
यजोगध्यान॥ कामक्रोधलोभसद्योभन॥ दे; माया मोहपासनजि
चिनावतुतलथाने; हीशधियासलिलजिहीन॥ १ ॥ दे; कुलयाधर्म
जिनतयजिनमफुथनीजित सजिदुषनंतुतन॥ अनेगचिन्नल
पान; तोलतावपरीजन; भवलपाजुयाजिधंदान॥ २ ॥ दे; अनाथ
याथोभनसनेनावधर्मयास्वामि॥ तयमेतजिपापिक्वानाव॥ वाना
यनजिननाने; विक्वासीध चरन; चानेहिनीधुलीजिधंदान॥ स
तगुरु॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ राग॥ श्री॥ ताल प्रता॥ ॥

भगवानयाहुनेउधारा॥ १ ॥ लवसमुदर; पलेनजलठल॥ एतया
पलेफोल; मनिमुकयादल॥ १ ॥ हेलजुकायाहल; पभरागं॥

अविरीं
जाथ
सिध
लप्रता॥
य; य
देवन
क २
यनहा
॥

तया
नजि
धर्म
ल
नाथ
माना
स
॥
या
॥

याकेसल॥ मीनेविधोस्रयामान; चोनथमईस्वर॥ २ ॥ नाम
ल; स्वयअंतनजोल॥ धालचैत्पव्याहार; स्वकह्रयापापमोल॥
३ ॥ श्रीकिज्यात; जलछोने तुछोल॥ भुमिजुलनेपाल; श्रीदीगन
लोकवल॥ ४ ॥ गोरदेसनवलधाल; चंद्रदेवराजाजुल॥ मंजुश्री
गुरुनाल; सांतिश्रीनामधुत॥ ५ ॥ भगवान्तोकपुल; पंचपुर
दयकल॥ नेपालससांतिजुल; सामाज्यासातिकर॥ ६ ॥ भगवान
नामकाल; लहातजयेपरकासन॥ नेपालमंदल; स्वयानअतिसुं
धर॥ ७ ॥ ॐ ॥ ॥ राग॥ व्याहाग॥ तालप्रता॥ ॥
हेप्रानविनु; सुनरसविनतिहमारे॥ १ ॥ भाइभोरिजउभन; चितनहि
बिरे; सवरसकरिहमारे॥ वासनदेधिये; सुचमुचनवरुह; धिन
कतेदेहोसदान; हेप्रान॥ १ ॥ हेप्रीयसुधरीवचनहमारे; हासि
मुषचलोअंतपुरे॥ श्रीरिगिरीवानजुधविक्रमसाहोदेव; चरनकम
लसदान; हेप्रान॥ २ ॥ ॐ ॥ ॥ राग॥ वलादीतालचा॥
हरीकोमेजाइ; अनीरुद्रचोरनेकुजाइ॥ चिबलेवानामहाये; पु
र्वदेवाइअनीरुद्रचोरनेकुजाइ॥ १ ॥ निपगुनगावे; सुरेंद्रवि
क्रमसाहोदेव; वषादेवीकोमराएथपुरेनेकुजाइ॥ अनिरुद्रचोर
नेकुजाइ॥ २ ॥ ॐ ॥ ॥ राग॥ विरहीनीतालली॥ होदे॥
करमसुचोस्पहलगुविहलपमालथनि॥ जोगिजुयादेसातरवन
॥ १ ॥ होदे; किजादुर्मकुसयात; राज्यातिलकनिवीये॥ होदे; नाम

घाके व्यलाफोने; सुदर्शनमालवने; विरहनविदेसजिवने ॥ करमस ॥
 २ ॥ होदे; विभुतिनलसबुसे; ग्परुवसतनंतिये ॥ होदे; जोगिरुप
 कयाव २ भवराधे मालवने; विरहनविदेसजिवने ॥ करमस ॥ ३
 ॥ हाकलअनाधजन; गगवान्यासरनस ॥ थवमचा मालपाव;
 यवसुधावतिथेनक; विरहनविदेसजिवने ॥ करमस ॥ ४ ॥ ॥ ॥
 राग ॥ केदार ॥ तालप्रता ॥ ॥ दे; सुंधासुलसेन संजुगतरसिलस
 बुदामनिदुहा ॥ दे; कविरकुहा; वरथनफुतलोकनाथ; सुंध
 राजकुमार ॥ १ ॥ दे; हाय २ प्रानसमान; राजकुमारानावाजे
 वन ॥ दे; सतुरीयानिर्दयान; वरथनफुतलोकनाथ सुंधराज
 जकुमार ॥ २ ॥ दे; गुगुथासजन्मजल; राजपुव; गुगुथासफुत ॥ स
 पनासममनाथे; वरथनफुत; लोकनाथ; सुंधराजकुमार ॥ ३ ॥
 दे; विद्याधरीदेविईस्वरी; आगपाजुलअष्टमीवर्तनियाये ॥ ॥ दे
 हाकलपानि नतिन; लोकरसायावलोकनाथ सुंधराजकुमार
 ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ राग ॥ रामकरी ॥ ताल ॥ ली ॥
 होदे; वंकोवनसस्वानफल; घानावचोनाथास; मृगपदिस्वस्पर
 हाल ॥ दे; नुगलमर्दिस्ववल २ चालममचा तनिस्वलवने होये २ वाल
 षगनवनास्वलवने आव ॥ १ ॥ सलकी ॥ सीविद्यावधे ललपातया
 वालम; हरनजुईवमताया ॥ होदे; तपगथेथोपएन २ मलेनयो
 वालम; मचात; हाये २ वालमग नवनास्वलवने आव ॥ २ ॥ होदे;

धनि घादिरासराजकुमार पुत्री कृष्णा जिनी मैआ; ह्रीतकाव आन
 चोना लंघ; जास्प वल चलस २ मले नयो थवाल घम चात होये
 १ वालघ गन वना स्वल वने आव ॥ ३ ॥ होदे प्रभुस्वामि प्रानना थ
 वालघम चात; थन वल गुम घ गाला प्रभु ॥ होदे; थनि गचे जुल जित
 करमस चोस्प हलगु; मसिया; होये २ वालघ गन वना स्वल वने आव
 ॥ ४ ॥ होदे; ववा जुया वचनस; वालघम चात स्पे धाम पाक थाने स्पे
 वन; होदे; लाक ह्य अना थजन; पाहुने ५ धार नान; होये २ वालघ
 गन वना स्वल वने आव ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ राग वार साहिता त प्रता ॥
 राग ॥ सा राग ॥ ताल चो ॥ ॥ चलो अव भगवान नमो नम ॥ कुं ॥
 जपत पग्या न ध्यान समुद्रि; री समति ॥ तुलसि सभदन करिये; हे सु
 दासा ॥ चलो ॥ १ ॥ भगत मदि पति नृप रत्न वाहादुर ॥ वर धामी
 धुने केनर प्रतिभा ने ॥ चलो ॥ २ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ राग ॥ राज विजये ॥ ताल त्रिमा ग्वारा ॥ ॥ त्रैलोक्य नाथ; कहना म
 य स्वत वर तु प्रकास्प; तेति सकोति देव प्रकासित सतो प्राणी उधा
 रन ॥ मम दुख तारन देहो चतुख गर्ज फल दाता; अनुत (वो) धिज्ञान
 वल फल येता ॥ श्रीलोक नाथ चरन सारन ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥
 राग ॥ ताल यक ताला ॥ ॥ भगवान लोक नाथ ईस्वर हे विसारन
 नहि नीत्य केवल प्रती पाले हे कहना मये जुग प्रजेत के ॥ रात्रि नाथ
 दीना नाथ मदि दुनाथ रथ जावा दरसन लोक प्रकास्प; जये
 जाग नरेन्द्र माहा राज ॥ १ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ राग ॥ श्रीताल ल॥ ॥ जय २ भगवान् त्रिभुवनानाथ ॥ दे॥ जग
 त उधार याकः मरुद्धि वीनानां ॥ १ ॥ कर्मया आगमजु
 स्पविष्माक सोभान ॥ दे॥ सो गुलिलोकसः मरुजो लं धीसमान
 ॥ २ ॥ व्यदस पुरान अती ॥ माहा माया जाल ॥ अधिरसस्य
 रधिरधर मया भाव ॥ हेतु थोसमान ॥ दे॥ अनेग पापया अये
 फुल कुन नाना ॥ ३ ॥ मनस मलो व अती ॥ माहा माया जाल ॥
 अधिरसस्य रधिरधर मया भाव ॥ ४ ॥ दिदासिया दिपा
 सः जुल थो पएनि ॥ दे॥ देई व विमुख भति स्वहुने दयान ॥ ५ ॥
 राग ॥ श्रीताल दोम्री ॥ साजया वलिता वचोनः वल्लगव ह्य नयनिव
 वानाव ॥ आवदरस नलाय गथ्य नया जाव ॥ हरी २ गथ्य ते ये थु
 गुलि पएन ॥ ६ ॥ घ्याल चन्द्र माध्यमीनः पले हलमी घान
 स्वक हिलाव ॥ चित विषम फुजिनः वलु म नाव ॥ हरी २ गथे १ ॥ २
 ॥ मुति मानिक थुना वतयाः लुपेहर नपालि दुविनाव ॥ वनस जु
 ईवः मलुम निवसु नाना ॥ हरी २ गथ ॥ ३ ॥ हाक ह्यया प्रभु ग्व
 पाल सुधरः संसाल सालवमान ॥ जिमीस भावः नापला ईवन
 नाना ॥ हरी २ गथे ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ राग ॥ श्रीताल जीते ॥ ॥
 जे नालि निरो जिवन रोहे मेदि ॥ विके जाकी प्रान लोक नारी कीरी
 हरी हरी ॥ बुधिवालो मोक्षे प्रान रो जिवन ॥ मोक्षे काल हेया प्रा
 न लोक नालि कि हरी हरी ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ एग ॥ श्री ताल चे ॥ ॥ मीने बुदीने वासि ॥ श्री वज्रजोगिनी ॥ सि
गिनि रूपीनी १ ॥ धरी देविष्पागि रूपीनी ॥ व ॥ त्रिनेयेन सुधरी न
र मुद्र माला ॥ बद गिनी रूपीनी २ ॥ ह्रस्व आसुर करे नामे ॥ २ ॥
पंचकपाल लातक ॥ नागधृष्ट भुषीनि ॥ हाद आभा न २ सुजे कि
तीर कत वर ॥ ३ ॥ त्रैलोक्ये जननि ईश्वरी को हिन ही जने ॥ म
ईरव मात्रिका २ गनेर कुमारी की लिका ॥ ४ ॥ तो हे देवि सुमर
तो हे उर्ग मार ॥ सकल तारीनी २ कृपा करे श्री भवानी ॥ ५ ॥ श्री
प्रताप मल्ल ॥ ससार के लाल ॥ लिखि कुल नासिनि २ करे ही दय
सास्प ॥ ६ ॥ ॥ एग ॥ श्री ताल ल ॥ ॥ ॥
नेपाल यासिरो मति ॥ श्री वज्रजोगिनी ॥ दे ॥ जिफार खान या डन
२ स्वगल मिधान स्वस्ते हे ॥ व ॥ सील स चन्द्र मायिक ॥ मनी माला
को वास्पे ॥ मुसुहुन ही ला स्वस्प ॥ धव भगवत मर्न स्वस्पे हे ॥ २ ॥
जननिर्न फल की धनि ॥ अने गया दुखे हे ॥ हाक स्यावी नती न कने
मेते पाप भोगे हे ॥ ३ ॥ दे ॥ गुल लनिये हस्त ॥ चैत कृष्ण या विती
या ॥ श्री गीरी वान विक्रम २ माहा राजा या पल से हे ॥ ४ ॥ ॥
एग ॥ राजवीजय ॥ ताल जति ॥ जय करु नामय ॥ मदि दनाथा ॥ बालि
सुजे डन सरी लया स्वमान ॥ लुं पा म तुक न पुया व ॥ गज मो ती म
नी मय २ को वास्प गल सलो व ॥ ते जन दंत डप मान ॥ जये ॥ व ॥
ब्रह्मादि देव गन ॥ भगति न स्वया व ॥ धी पुख पुला व ॥ मुनी व ॥ नागर

भजलयेपीछे चरनः पचनः पवदत उपमान ॥ २ ॥ करुनाक तकनः
 अतिमनसरसदनः तलस्वंगुलि भुवनीहलाव ॥ दोलीछे सुतुया गुन २
 जसोछे के लहाना तयाः फई वहु याये वरदान ॥ ३ ॥ देवि चन्द्रलछि
 मिनः लहाना विल सुवचनः दयादस्य स्वहुने भगवान ॥ धनिल ललिता पु
 रीया २ का सु ना विसुनु मलयाः पुरा पाहुने कृपा न ॥ जया ॥ ४ ॥
 ॥ एग ॥ आसा वली ताल प्रता ॥ ॥ हरे हे जयनि तपनाथ निरजन ॥ ६ ॥
 नदी भिदि सगपः आफई ना चीकि प्र मुथ कि स्वर मिलाई के ॥ अव बुध
 रूप चन्द्र कलालयः उर ग कि कुंदल स्वने ॥ हर ॥ ५ ॥ श्री गीरीवान
 जुधवी क्रम सा हो देवः नृपति श्री मुनि राज तो हे ॥ कहत अनाथ दास तु
 मारि ना चीकि सु भ फल दिजे ॥ हर ॥ २ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ एग कोला ताल न ॥
 हेन गन दिनि विंति सुनीये ॥ ६ ॥ कउन गति अवहेने रहे भवानी ॥
 सब विपीरत काजः के कारन जो ले ॥ हेन ग ॥ ५ ॥ करम होयेत ओ वै न
 जानीये हमे ॥ छो ताव ए करो देवि तो हर सरानि हेन ग ॥ २ ॥ कते ये कह
 स्प दुषः मन घ उदासि ॥ कि छुवन भवे जगः कि कल भवनि ॥ हेन ग ॥ ३ ॥
 मनु छे जर मलेलः नरयत दीने ॥ नहि तु प्राछो दि आई नहि ध ज्य सराज्य ॥
 हेन ग ॥ ४ ॥ जत अछे दुरी ते हे तमे हे पुथाने ॥ नदि य गर भवा स्पे मोहि
 परी ना से ॥ हेन ग ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ॥ एग वमा श्री ताल दोमा ॥ ॥
 हो दे विरिंचि नारायनः कलिया पहल हेने हेने थो पएन ॥ श्री वंदया
 वासनानः पुलयो फसन ॥ हो दे विरिंचि नारायनः कलिया पहल हेने

हेनेधोपएन॥ १ ॥ लुमनावलुमस्यप्रलः दुषयावजिन॥ होदेः वि
 रिंचीनारयनः नमनवननेमदुः थाधेनकुदिन॥ २ ॥ मलुगेनगधे
 जीनः लोकनाध्यानाम॥ होदेः वीरिंचिनारयनः ययानमदतहाय
 मनुधेजरमा॥ ३ ॥ धिदासयाधिपालिनिपायाः थालिपलेस्वान॥
 होदेः विरिंचिनारयनसिलसतयावधेयेः हेनेधोपएन॥ ४ ॥ ॐ
 राग॥ विभासताल॥ रवजती॥ ईस्वीरगुलस्वीरमाता॥ देः चन्द्रकिरनउति
 धिरुपयातेजजोति॥ देः मालमालाभिनरओतिः चंदीभगवती॥ ईस्वीर॥
 १ ॥ देः यायमफुदिभगतिः दोनथासविनती॥ विपमतेदुषरअतीः
 धिचरनगति॥ ईस्वीर॥ २ ॥ देः जगतयाभावादिक्कः करुनाकृपा
 तिक्क॥ करुनामिषानरस्वक्कः अनार्थसियाक्क॥ ईस्वीर॥ ३ ॥
 देजगतसमदुधितीः सदातस्पिरति॥ हाक्कसयाथोविनतीः कृपा
 तयावमुगती॥ ईस्वीर॥ ४ ॥ ॐ ॥ रागपलीमताल॥ ग्वारा॥
 कोष्यमाललः ग्पानकरीलोभासने॥ अंघनागरावीधोआसमवितेर
 ॥ १ ॥ वैस्पकरीयोध्यानः आनावीधिक्केर॥ अनमिनजतेदेसः प्रजा
 लोकमले॥ २ ॥ ॐ ॥ ॥ राग॥ विभासतालजति॥ ॥
 नमोप्रीध्वर्मधातुसारनसहाये॥ ॐ ॥ चलपुमायाभाहः अदी
 कंमतेरे॥ चोनेमदुथोसंसोः मायातालताक्क॥ १ ॥ तुल्लगुन
 रूपजोतिः सुजवउतितेज॥ विभुवन्यानाथजुस्पः विज्याकरसन॥ २
 ॥ लायमफुदिचरनः जुगुतिथानाना॥ तनमनयावलोकः धामवेनना

व॥ ३ ॥ नरलोकस्प नजुजुवः भगती तयाव॥ भगती नलोयेदप्यु
 चरतसदान॥ ४ ॥ दारुत नविविदिनः उधारायानाव॥ द्वाकलया
 तनमनः दुषफुतकाव॥ ५ ॥ ॐ ॥ एगवी भासतालजति॥ ॥
 ईस्वीर ध्वास्का मिनी माता॥ जगतसु नामदनः ध्वास्का मिनि भगव
 ति॥ हेमाल भुमिया ध्वनिः तुलका मिनि भवानि॥ ईस्वीर॥ ६ ॥ सु
 र्जया जे जजोतिः दिरूपया तेजजोति॥ जगतस मद्रुतिः तेज चन्द्र
 माडती॥ ईस्वीर॥ ७ ॥ वनरही तुहीस्पः समुदरपा र्यास्प॥ स
 रनवया वीधियाः लमलपिदे विदिनी॥ ईस्वीर॥ ८ ॥ अभागि
 आगपानिसिस्पः स्वयं तेलक हनाना॥ आनथजी जुलः थनीः सह
 सविनती दिवे॥ ईस्वीर॥ ९ ॥ दये केतु भालपावः वयाथनिप
 रदेस॥ विहुने जगतः माईः दुषफुतकाव॥ ईस्वीर॥ १० ॥ ॐ ॥
 ॥ राग॥ वलादी ताल चै॥ ॥ जय २ परसि वरूप सलंगप॥ नि
 जगुन सालेः कएव हुलंगपः यकेय सलिलः जनि मुखलिलेः वहुविधि
 रूप खे॥ ११ ॥ चारिपनोरथः मन नमनोरठ॥ विरथहि सोः नि
 रमकेहेः कुमुदीनि नाथः जगत जयगावयः नीजगुन सजन जल॥
 १२ ॥ ॐ ॥ ॥ राग॥ वलादी॥ ताल चै॥ ॥ माई हे देव
 त आई॥ १३ ॥ तामपीता सहः नमो २ जानी॥ केपुद्धी केदीनि २
 वस्त्रा विधि विवाहालः माई॥ १४ ॥ तामध्यादलिः भसम विमेलि॥
 वाहान वस २ हसयन वाधल धालाः माई॥ १५ ॥ भुतेव ताल सगंः

सव्यपरीवार॥ कोरे घीविवा २ वहा विधीक न्यादान; माई॥ ३ ॥
 अनयो विद्यापती; अमिर्नतवानी॥ चन्द्रकलोदधि २ मुति भजलि भ
 वानि; माई॥ ४ ॥ ॐ ॥ ॥ राग आसावली ताल प्रता॥
 नमो माई काल; स्वहे माई काल॥ सुरनर पुजीत चो; धत्वा गि वामे
 नमो माई काल; गले मुद्र माला ॥ ५ ॥ वेताल आसन; विनि नय
 ना॥ विमती कूली हे नाथ; सुनी हे वामन; नमो माई काल॥ २ ॥ ॐ ॥
 ॥ राग॥ आताल चो॥ ॥ वसतिले हन मुलुकुत ताल ताव॥ लवा
 तस जाल पार्थे; दत थव आव; स्वव पासा॥ ५ ॥ मया स्प मलो व;
 कथ्व कथन विहाल॥ पुरुष खना वी वाहाल॥ २ ॥ हलया सिं अ
 स्त्रिक; वने तावा मुले॥ फिपीते वचती भात ग्प मसंग तुले॥ ३ ॥
 सिले नमो सि स्पथ ममे व प्रसियान॥ हाक हन भो सि वल पातुल सि
 धाया व॥ ४ ॥ वका स मलेन; जाल पा वहाक॥ को कील व को वड
 ती ग्प न स म तुल॥ स्वव पासा॥ ५ ॥ ॐ ॥ राग वा ॥ सी ताल प्रता॥
 सँसाल स तल; हलका व जागरी माई; सँसाल स तले हलका व॥ ६ ॥
 हास्पत पाथो सलिल; गुन साधे घुनाव तला॥ काम को ध्वलो न मोह;
 पाप सलु कुत्रि दिस्प; किल स ची ना व तल जननी माता॥ ५ ॥ धुयाना
 पाप न पुन; थुलि दुष दर्द वन; जाल प्प म पु; थ्व धँदान॥ जमद स्प व
 ल; स्व गुली वै सदन; थ्व जिवन सुषर्दु मताल॥ जननी माता॥ २ ॥
 गन वने गत्र चोत्रे; जि अर्ध मि श्वाना चो ना; तय म त धी न जित ज्ञाना॥

जननिधिधकावयाः पालिकोसवासफेनाः अवलापोमेवमदुजो
ल॥ जननिमाता ॥ ३ ॥ हाकलया आसथी भैवः भैरविः गेदेसदी
तेदेवसदानभवानि॥ लषलपिदि अग्यानी नवदुगाहे भवानिः
केनभतेजन्मपुरेदेस॥ जननिमाता ॥ ४ ॥ ॐ ॥ ॥ ॥

॥ एग॥ एजवेतालजती ॥ ॥ नाएय नजु गुयासीस एसनविज्या

कः हीहीधिया स्वता ५ ॥ अतिनसुधाल ॥ जवनचक्रजोस्पष

वनसघएस्पः गुयासीस एसनविज्याक॥ नाए ॥ ६ ॥ सिल

सप्ततुकलुया हाससकुंदलमनी ॥ गलसकोषास्पतयातुलसी

यामालप्रभुजुः गुयासीस एसनविज्याक॥ एग॥ ७ ॥ हाकल

याविनतिनदयादयेकमालप्रभु ॥ दनावदएसनविज्यीत नाए

यनजु ॥ गुया ॥ ८ ॥ नेपालयाद्यतरपतीः श्रीजयभास्करमहा ॥

चडधदएज्जलायफयेकावनाएयनजु गुयासीस एसनविज्याक॥

नाएयनजु ॥ ९ ॥ ॐ ॥ ॥ एग॥ ताला ॥ चो ॥ ॥

धेदेरसाक्य मुनी प्राणिघावनी सर्वपमुनी धेदेसाके मुनि ॥ वि

पश्री मुनिः श्रीसीधी मुनीः विस्वभुमुनी ककुधद मुनि ॥ कनक

मुनी कास्पव मुनि अर्धयावानी सर्वपमुनी धेदेसाके मुनी ॥ धेदे

साके मुनी ॥ १० ॥ वसयावकनी गुनया घमेनी नामलुमनी नि

त्फजावेनिः चीतसथनी अधरमहानि जुईवपानि धरमस चोनि

धेदेसाके मुनि ॥ धेदेरसाके मुनि ॥ ११ ॥ मनुसेजोनीलीकींग

वनी मोक्षे स च्यनी आनंद चोनी ॥ मृदंग चनी हल मोति मुनि, जोति पीति
 मुनि श्री राजेंद्र ध्वनि ध्वेदे सोके मुनि ॥ ध्वेदे सोके मुनि ॥ ३ ॥ ॐ ॥
 ॥ रागा ॥ राजबीजे ये ताल चो ॥ जे ये रागा थे स्वर देव ॥ ६ ॥ नदी नींदी
 नील या साथ अनया लसत प्याघन ॥ भगत जरा सी स्पर्श स्वरुने दास
 स्वस्पर्श वीरुने नाथे स्वर आवजय ॥ १ ॥ भाव भगती जन विरुने
 दो सार अनाली सी स्पर्श नाथे स्वर ॥ श्री राजेंद्र विष्णु देव साहा जु जु
 कस न पलाप वोल ॥ जय ॥ २ ॥ ॐ ॥ रागा ॥ श्री ॥ ताल ॥ चो ॥
 नील ध्वर मत्त स्पर्श भाव वना व ॥ पलापी चाल या य ॥ ध्वर मत्त या व
 वी चाल नीया तवने आव ॥ १ ॥ नृप जय क्रास ह्रास पीरान ॥ तन म
 तले जु या भजना हास ॥ वी चाल नीया तवने आव ॥ २ ॥ ॐ ॥
 ॥ रागा ॥ आसा पली ताल चो ॥ ॥ राजा जमने स्वर सीत नाथ ॥
 ६ ॥ परस्वर ॥ रथ गम आई जात्रा ल गम सहोय ॥ मगन भुवने
 धावन फेर ॥ हाहा सीरी दी वी व ग राजा ॥ १ ॥ मन मोहला क दे
 धित आई राजा सीत सग ॥ वृंदा दी देव गन ॥ आकार दुवाले ॥ वेलो
 के नाथे देवाय राजा ॥ २ ॥ ली एफान गुन सच व जाई ॥ तुती वोल
 वांछा ध्वर ध्वोज इंद्र हाथ ॥ जन पीति भजन पुजे राजा ॥ ३ ॥ तेज
 चंद्र मास मान सहेप ॥ सीतल के मल सरी ॥ पुने स्वाने धर ती जुग
 कहना के मल गपाने राजा ॥ ४ ॥ सुनी ये वोल विंता कुं ॥ अफने
 अंध अपर ध्व ॥ सुनी ये स्वामी रावी ये वाल व ॥ दुवा पद चान सदा न
 ॥ राजा ॥ ५ ॥ ॐ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

रागं ॥ वी भास ॥ ताले दो मां गवाए ॥ ॥ मधुपुरी वस दी मुदालि के वे
 ली ॥ ओह सखी विसलन पुरु वसी दूहे ॥ हरी वीनु मलय वीष बोह
 बोहे ॥ ओह सखी री विले हे व्यधात दुर जाई ॥ कजे री विनति मुदाले
 क व्यली दे हो दे हो चानक मले याद वास्या ॥ १ ॥ ॐ ॥
 ॥ राग वी भास ताल जती ॥ ॥ जये ईस्वर सानतु हार ॥ ॐ ॥
 तुहा वीनु आन मोलो नही जानि ॥ अपए धकेती मोए ले ॥ १ ॥
 नरपति सी ए म नी लती कुतुहाले ॥ देव ईन्द्र प्रती पालेह ॥ २ ॥
 ॥ राग मंगल ताल चो ॥ ॥ होदे सस माया जाल सः स वदुष
 मो चनेहः होदे स्व रूप अती रूप रूप मोही नी हरी अवतार ॥ १ ॥
 होदे वी वी ध कलायः स वदुष मो चनेहः कहत जय जगः रूप मो
 ही नी हरी अवतार ॥ २ ॥ ॐ ॥ ॥ राग मंगल ताल चो ॥
 होम पाये व्यद बोहाव ॥ ॐ ॥ होदे तथा व ब्रह्माया कल सया
 पुजा ॥ आहुती नाम कयाव ॥ होम १ ॥ होदे वाल व कं म्याया
 मंगल पाये ॥ श्री जय पर का सया भाव ॥ होम २ ॥ ॐ ॥ ॥
 ॥ राग व्यास गताल प्रता ॥ ॥ वी भुवन जननि ॥ ॐ ॥ चलो अ
 वमनो रथ पुरनः भई ॥ नीज भुज पर स नः सन मो लाई ॥ १ ॥
 नी पती म कुत म नी गाई ये ॥ मन एन वाहा दुर कवी सुख गाई ॥ २ ॥
 ॥ राग केदार ताल जती ॥ ॥ भवानी धी चान सदान ॥ ॐ ॥
 थुगुली संसाल सः कपत मये जुलः व्यल सवी व्यक मया क ॥

मो हया वसजुस्मे २ अतीन पुललपुः पापघ्नमयनमग्पाक ॥ १ ॥ शु
गुली वनगन जललपा वतलः सरी लअतीन नाव ॥ पलेलालवफुती २ शु
ली जीवउतीः मचोनधी एनसदानः भवानी ॥ २ ॥ सुमती कुमरीनीः दे
देवीनमजलपाः मुगुति भजन भजन बहूय ॥ अनाथजनपनीः सलेम
वमदुद्धीद हवी नानसहोये ॥ भवानी ॥ ३ ॥ ॐ ॥ रागफाला ॥
॥ तालचो ॥ मायादेवीया कायअतीन सुव्वालः जगतससाहीतया
क ॥ ॐ ॥ पलीहलधीनमी वसयो ॥ गेदुउन वसतन २ असीकलोवः
मायोदेवी ॥ १ ॥ लुंयाउन सरील वसयाने ॥ कुतीसहन २ अतीकलो
व ॥ मायादेवी ॥ २ ॥ सप्तसंविफवः वसयो ॥ गवपालवीवाहा २ अ
तीकलोवः मायादेवी ॥ ३ ॥ चउआसिसः देसवसयो ॥ पीरतीती
रीव २ त्यागयाके ॥ मायादेवी ॥ ४ ॥ ॐ ॥ रागपहलीया तालप्रता
हेमानस एणपर जकलीये होचलीये ॥ हरेपर सो वीमदीतसांजे
॥ वीमलीतमनचलीये हेमानस ॥ ५ ॥ मनएराज्यकवीकुलसांजे ॥
वीहावीमुहीतजसमीलीये हेमानस ॥ ६ ॥ ॐ ॥ रागवीमासता
लजती ॥ ॥ हेईस्वरैदधीवसाहोये ॥ ॐ ॥ धनसंतुः मायातस्यः
फुतयोवोसलील ॥ धनजनमदु २ धनीवेलः योजनः ईस्वर ॥ १ ॥
मनुकोयोजनजीः म्यानायादु प्रयोजनमभालपा २ ध्यजुलयोहवालः
ईस्वर ॥ २ ॥ चलनया मफुतयाः योमकुलधमस ॥ चालसल २ वी
यतेलजीधनावः ईस्वर ॥ ३ ॥ कलीया योजनसः याधमफुतयोध्या

न॥ करमघातस्प२ वीस्पेछो हुने जिपाः इस्वर॥ ४ ॥ ह्राकल अनाचसी
 स्पेः याहुने इस्वरछो न॥ वीकजितो मोक्ष२ गती अनत॥ थानः इस्वर॥ ५ ॥
 ॥ राग॥ केदारताल॥ ॥ सविहे सपना मे आई लो सुख॥ ॐ ॥ कमल
 नेधे नरूपः मन मोह की चार सेह॥ मीये सिंह लपीत मुदोः सविहे॥ ६ ॥
 बीदुरीत कसवसः मन मोह की चार सेह॥ जवेदषल वितदोः सविहे॥ ७ ॥
 सपना मे देवि जोहीः परमपुरुष सही है॥ विनुदेष प्राने मार नाही सविहे॥ ८ ॥
 ॥ राग कापी ताल चो॥ ॥ जय वागमतीः लोक यागतिः अतिम सतिः
 सुख अतीः जय वागमती॥ ॐ ॥ तिर्विस मुलः श्री लंघने लः परवत उत
 सीविया कुलः लंघया हुलः लदुजा थुलः उतुजा डलः आनद जुलः जय वा
 गमती॥ ९ ॥ मेति या डनः फी या जा चुलः वयाति गुनः मेव या मनु अन
 वस सी वानः लोय जा ज्ञानः प्रतक्षे मानः विजवानः जय वागमती॥ १० ॥
 व्यगन ह्राकः गन मद्याकः परवत ग्पाकः गुन या जाकः वद ह्रागाकः
 भगती वजाकः सत्रु वद्धाकः स्वयमगाकः जय वागमती॥ ११ ॥ वस
 या ध्यानः लोये नानः नाम जा कोयेः अति स्वमानः॥ वस स्पवानः
 लोये जा ग्पानः प्रतक्षे मानः विजवानः जय वागमती॥ १२ ॥ ॐ ॥
 ॥ राग व्याघ्रा ताल प्रता॥ ॥ श्री भुवन जनीने हे॥ ॐ ॥ चल अव
 मन एथः पुरन भई॥ श्री जभुज परसन रतन मी लाईः श्री भुवन॥ १३ ॥
 श्री पती मकुत मनी गाईये॥ मन रन वाहा दुख वी मुख गाई॥ १४ ॥ ॐ ॥
 ॥ राग व्याघ्रा ताल जती॥ ॥ सिसि मुखः सुनहा सि मुखे वोलो॥ ॐ ॥

अलुजमृदंगनीय न भेदेह; धनुकवान ॥ मधुरवचन; करीकेमनवोव ॥
 ससिमुख ॥ १ ॥ अलमछाती; मानुनागिनी; बाहुलतिका ॥ कामकर ॥ अ
 तिलसवल; ससीमुख ॥ २ ॥ दलसदालिमे; वैविफलस ॥ कलाकालीदा
 स मनेवोव; ससीमुख ॥ ३ ॥ ६०६ ॥ रागवी भासु तालरी ॥ ॥
 सुधाप्रभु; वदननी आईदेखासही ॥ ६०७ ॥ पुरमकर मेहोई कडेनेन
 पाईहाई ॥ बीरज धरि प्रेमेन धुर सुधार ॥ १ ॥ होदे तुमालही ग्यान
 ध्यान; तुमालही सुमनेन ॥ अजतीलुप च चल मोहन तुम; सुधार ॥ २
 ॥ पारतापसि हवाहादुर प्रभुहोई ॥ कालीदासेसेवक; तुमाली वचन सु
 धार ॥ ३ ॥ ६०८ ॥ ॥ राग व्याहाग तालरी ॥ ॥ ॥
 हेजननी माता; तोहे जगदीस्वर आसा ॥ तुवापदपर्व ज ध्यान जपतप ॥
 महीनी अनाथ उधार को जननी माता तोहे ॥ १ ॥ तुवापद कजवी नुनही
 गती नही आवल ॥ मनसा पुन करी देहो भवानी जननी माता; तोहे ॥ २
 ॥ जगते देखन दुखनही आवले ॥ से देखी से कर मस जान; जननी माता
 तोहे ॥ ३ ॥ जीजय जाग ईन्द्र मल्ल नेता वय ॥ नीसर दरसन देते न
 बानी; जननी माता; तोहे ॥ ४ ॥ ६०९ ॥ राग प्रता ताल काला ॥ ॥
 अतील थोसलील छोये नीदान; याय पण्डपका ॥ ६१० ॥ अतीहरम
 न वडा वरसन; थपहीत थपन वानाव ॥ वेरोड मानस चोनाजी मनरस
 २ अने गम्बान स्वयाव; अधिर ॥ १ ॥ अतीत ववीरुस्प चोन व
 लहीन; सलील अतीगभाव ॥ जालमग र्जनपी कया वेगन २ प्रानम

गीथे चोत्रे; अथीर ॥ २ ॥ अतिरवि विंजुसे ॥ २ ॥ घना व अ
 न अती क र ना उ त्पी; जु या व म न ही ला व ॥ द्या या व ह से ली तः दे को
 थ व ही त २ व या व थ म या क त न; अथीर ॥ ३ ॥ दे को स ली ल या
 त्वा या व ती र ही र ॥ घा या व सी मा या चो स ॥ व डा व व या था स; वी
 या व ग ल स २ भो ग विल थ व मा स; अथीर ॥ ४ ॥ ज र म ज र म या
 क ह म ध र म; जु ल लु ग त ना च ॥ ह्वा क ल य ॥ थु ली फु त की पा ग ली र
 वि हु ने स ल द्यो पा ली; अथीर ॥ ५ ॥ ६ ॥ रा ग के ला ता ठ चो
 बी या ध री तो हे ज य मा हा मा या; व ज्र जे गी नी स ग ॥ बी लु म ती ती र
 आ नं द आ नं द ॥ भो ग य भो ग स २ वै से य मा ता; वि द्या ॥ ७ ॥ को
 ती दी वा क र सु ध र स र्व भु ष ॥ र क्क व र्त्त तु सु र वि न य न सु ध री; वी द्या
 ॥ २ ॥ हे म सु नी म ल; सु ध र द त ॥ च द्र क ला स व भा २ म नी म ये हा ल कृ
 त; वी द्या ॥ ३ ॥ वि नी भु व न पी त; ज न नि र्द्वि ॥ वी. स्व ध्या पी त २
 ज ग त भो ही नी; वि द्या ॥ ४ ॥ व ज्र सु र व स र घ त्वा ग हा व्य ॥ सु ध र
 स्व भा २ न र भु द्र पा ला; वी द्या ॥ ५ ॥ ज य २ ज न नी तु वा प द से त ॥
 ला स क म ल नृ प तु वा प द गा वै ॥ वी द्या ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥
 ॥ रा ग ॥ रा म की ता न प्र ण ॥ ॥ हे व सु दे व च लो अ व र्त्ति यै व र्ज ॥
 म न मे स्वर स की जा य; य हा व सु दे व च ॥ अ व र्त्ती ले ध र जा य ॥
 राजे द्र वी क म हा हो दे व न भा ने ॥ वी वा हा क र्त्त क पि र हे दे व सु दे व ॥

॥ राग सांगताल जती ॥ ॥ हा हो दे; दईव नीव तजीत व्यथिह वाला ॥

ॐ ॥ मन नमना लपाये जुल जीत हवाल; व्यावाया जम होये होये ॥
दे; सतुरी नदो नाहल; जीवय से देह जुल मलीया सह धर्म एत लोये हा
होदे ॥ १ ॥ माया नजि कुये पाल; जीव सतु सीते माव; देना घन यन
व्यनी दु पोये ॥ हाक सपा विनती घरे ने माल नृपती श्री; प्र नुझे रगत
गन लाय; दईवन ॥ २ ॥ ॐ ॥ राग बी लास ताल ली ॥ ॥

कक्षपा परवत चोस वत लपा दी लवल; अघिता असिल सतस्य
पान ॥ अक्षय वरुन जुस्य; हल मूती मा ललस जानुले पान चोन
वत ॥ १ ॥ लोक स्पन फोन वत; धया गुली वील दोन; जीत दता
परसन जुप माला ॥ स्वप्रभि पापि या ध्वात चानने घुहा लाय्य हाल;
आन वारी श्री लोके स्वर ॥ २ ॥ दे; सरिल स व्य व्याधि निपि दल पा
चोन लल; मृतु काल ते एया ना हो व ॥ अने रवे दे देना; नाना उप
का एपाना जग ल जीत उपकार ॥ ३ ॥ चान हीन सुमल पा अ
न देव या के भक्ति पा ना; जीत जक दया म दु देव ॥ थुगु दुष फुत कील;
दल पोल दल घना जीन; आसा न प्रया न ल सारन ॥ ४ ॥ अगिनि
या अवतार; श्री जय परकास; श्री राज परकास मल ॥ हाक स
या देह जुल; नी लस पा प्रान चो तले; स्वयं तल करुना दयान ॥ ५ ॥
॥ राग कोला ताल जती ॥ ॥ सुधर स्पा म प्रनो ह; का हा तु म जारि
॥ ॐ ॥ दे; गुह ते ला अगम पथ; भोजन ही आइ ॥ कडे ते एपा

ईवावाः कउनेलेपथार्इ सुंधए ॥ १ ॥ देतुलतुंधादेविहीदेय जोदा
 ई ॥ भाउव २ भाई मेरी फेरी दुवल जाई ॥ २ ॥ भाउव नही जो वरे
 सुंधरीः जसोदा की ल्याई ॥ कालिनाग सील तोरी तोल फुलेलो आ
 ई ॥ ३ ॥ जाउव २ कालीनागः काल पुरख आई ॥ गेले पस्सेर फुलस
 हस भाई जाई ॥ ४ ॥ कउने अपराधी मेरे काल जोगि आईयो ॥
 स प्रफ नीगु प्रवालः समुन्नी सुंधा आई ॥ ५ ॥ समुन्नी रगह धमी
 वः समुन्नी सुंधा आई ॥ यक कली द्रगह धमित्रः कालीनाग आई ॥ ६ ॥
समुन्नी राहीत पीतये कमनः भाएये जोदाई ॥ कील मन आनंद भो
योः गोपाल गीत गाई ॥ समुन्नी २ भाई वावाः समुन्नी सुंधा आई ॥
 लीनाग नाचलीये वः सलेपथार्इ ॥ ७ ॥ हीत पीतये कमनः भाएये
 जोदाई ॥ कील मन आनंद भयोः गोपाल गीत गाई ॥ ८ ॥ ६३६ ॥
 राग भी प्रासुता लली ॥ ॥ वीन तीने हुने सुदयाव ॥ ॥
 आस पास दिवी नान मेव प्रदु जीगनः प्रसले नजील हीय जी मोल ॥
 वी वी वी वाहा एये थक्थि थि स प्रधापः प्रफया न जुलये जि को
 पाहानः हे जननी वीना ॥ १ ॥ नीधन जन मफलः कए प्रस गोस्प
 हलः जगत स प्रदु जीहवाल ॥ भावी जी प्रदु अतीः जुलये जीत व
 वी पतीः गये जुल थथी कए मः हे जननी वीन ॥ २ ॥ वयेरी पाहे
 सल सघा ना प्र न उदासः इत नान प्रदु न सात ॥ धंदान प्रघ
 नानः वनयो स एत गनातः फोने जीन सुपावे गवहालः हे जन

श्रीवीन ॥ १ ॥ नेपाल भुमीया धनी रन जीत गुन मनी वसन पायू
 वयोवीवाहा ॥ गुगल समदना न हाना व्यो व्यधान व्यर्थ न बनयो
 थोका हान देजनानी वीन ॥ ४ ॥ ॥ राग सारंगता त प्रता ॥
 श्रीमस्मने प्रवम दुवलन दीजोला ॥ एधि महा लथिवी पल हस सदन धि
 र ॥ स्पाक दीन शै गुली दोल दोल श्री श्रीमस्मने प्रवम दु ॥ १ ॥ दु
 पतीया अपमान याले स भास फो डान वव्य लल याना वती गपान ॥
 दुजो वन यागु मान धुलाल नया पएन ॥ लसन मास ही तोना व श्री म
 स्मन ॥ २ ॥ जग्गया ला भाल पाव पा लजु धस फो न जला स नद हनि
 फा फाल ॥ कान जुया प्रीया भाव प्रनन दीत डान ॥ दुपाय फई वनि
 दान श्रीमस्मन ॥ ३ ॥ वीर थं भुपती स्पाक लमल पुजस लाक व
 येरीया भयन मग्पाक ॥ सु बाल यागु नगा गुपतन वास ला २ की
 चक गुदा मुदा याक श्रीमस्मन ॥ ४ ॥ दान पतीया प्रन दुपती
 श्री श्रीमस्मन वीहुने दी पएन दान ॥ ससाल यासु ससाल गुति
 तुवा एवा २ म्पव स्पाक राजा जीत दाय श्रीमस्मन ॥ ५ ॥ ॥
 ॥ राग माल ताल दोमी ॥ ॥ लीपु तीला पुती लया धान वान म्पव
 याला हुन एको ३ ह्या डस्म जीक बवाल हे गु प्रीया कस्म की चक स
 गुपतन स्पाक राजा श्रीम पी दुए दिन हसन हता स वी ज्पाको ॥ ६ ॥
 गदा या जु धन कु मती दु धे जिन ली ना व बल ताक हफो २ वय एव
 ना व को तीया स वदन वाना व ३ स्व था मा रा को ॥ १ ॥ दु

सधुसासनः कुतकु कोधयोस्य अतपीकोस्य स्याको २ हीतो न
 घासलनः हसर्तु लुभजावदुपतीयाभनपुः पाको ॥ ३ ॥ सुरवीर
 अतीरहसं हेव अतीः आलसनाये जुले २ हीगुलीवधानह
 यमफयावजीनह्राकलघाभनपुः पाको २ राजापीदुर ॥ ४ ॥
 ॥ राग श्रीभालचे ॥ ॥ अतीव्यानवानलाकः प्वाथगोलकुदे
 वीकः नीमविनजुलजोनापाक २ चंचलहासताहाकः सुधर
 रूपद्विधीकः पुष्पतयास्वभादुभतुका ॥ ५ ॥ दीव्यदस्तीसि
 धीलाकः सीलेसस्वानयात्वाकः घंगलापीलीहाफ २ चतुवद
 नदनेन जुफोको बालरुतनप्रसीकः दीवीसीवीदप्रअतीन
 जाक ॥ ६ ॥ जगतसवप्रथाकः गनसजुस्पनायकः वीधहरन
 यास्रवीज्माक २ हीगु नप्रहीमा अपालहाकल अगपानीधकः
 धीपातीनीपानजीतगाक ॥ ७ ॥ ॥ राग वीभाल तालजती ॥
 पेघासअकुलनफापावयनाव २ हाय २ आवजीनद्योयेः हाना
 वपासा ॥ ८ ॥ सतेनजीः जीवहनेनसाभनपाव २ मवास्पस
 यावः जुयासाजयावपासा ॥ ९ ॥ नामडका लेसवीघालसधोः
 यावजुया २ पीरतीदलहयाः दुगुनेननावपासा ॥ १० ॥ गवकु
 लसजुवेगवेधमनलुजाव २ श्रीधर्महाफसनामदनावपा
 सा ॥ ११ ॥ पदपतीह्युआवलः हीदीकापावरीतुसमसि
 ईवस्पनलीवोनावपासा ॥ १२ ॥ ॥ राग बहुताल प्रता ॥

हेलवोदलराजायातनमे॥ ॐ ॥ स्वास्मनस्वयेमे॥ हतायापुर
सीक २ स्वरदचद्वेहपवीक॥ १ ॥ जगस्ववीवाहानदत्त
नस्वाभालाक २ आनंदनगयावपुत्रक॥ २ ॥ जाललीजपता
लाः पल्लुनदुक २ विधुहरनदकोयाक॥ ३ ॥ धंगलाहालीस
सारतनपानीक २ हीस्पतयाजतनयप्रतुका॥ ४ ॥ भगतज
नयाप्रहनीपलुयाक २ वसनाप्रकजानप्रगाक॥ ५ ॥ वससी
वीवललायभावप्रदीक २ सनवीरनसुवनहूक॥ ६ ॥ ॐ
॥ रागकोलातलजती॥ ॥ आनंदभयोमेरीरस्पचरीजाई २ दे
नरव्यपुरजईमेरीआधीजोः नीज २ कुलेदेवीभजनकर॥ ७
॥ वीपतीभयोनीमेहलेः महाजोगभयो २ राजेन्द्रवीक्रमसाह
देवनजानेः नी २ ज २ फल॥ २ ॥ ॐ ॥ रागआसावलीतालप्रता
कालीप्रनमलीकः हाससर्वदलधिक २ तीरकचद्रमाचिव्यन
तीक २ सीलसप्रतुकः तसीप्रनीकः कंकालीः सीलसप्रतुकचु
सप्रभोक्कजोगीनीदागीनीगनप्रमलीकः कंकाली॥ १ ॥ मिद
नद्यादुस्पजीकमुतीवाहाएलीक॥ चानसीलमः नीलसालीक
जभीतधुक्गुलीनवीकः कंकाली॥ जभीतधुक्गुलीनजवि
कलाहाती २ अतीसतीसानलीकः कंकाली॥ २ ॥ हावप्रस्व
लवाहीकः इलीवसदधीककालीफालीकाः कारवजीकः
अनेगनेस्पनपथदुतीकः काली॥ अनेगनस्पनपथदुतीवाः

भुगुतीभुगुतीवीवअधिकः काली॥ ३ ॥ पापघाक ह्यप्रही
पुन्यघाक ह्यसीक॥ वीजमध्वजघातनपतीक जुयावः पालीस
मनतस्यैः कंकाली॥ जुयावपालीसः मनमदुर्फीपा वजीपाषी
अलीकसुष्टिककाली॥ ४ ॥ ॐ ॥ रागप्रथमजलीतालपंचम॥
होदेः भृगलो चमृगपः भृगपतनुर्ध्वी॥ होदेः भृगपतनुः बोलीतः
चंपकनना॥ होदेः हसन चनकधुः वचनहमाऐयेः कललः चि
लसः कलहोः हमाहीनीहे॥ हाहोदेः हसनवचनकधुः कमतुलि
तध्वीः कलललः वीसकलहोः ममाहीनीहे॥ होदेः चद्रभुषीः
मानीयः नीपमलः जानेपीहलतोः लसकलीमने॥ ५ ॥ ॐ ॥
॥ रागमालुवातालजती॥ ॥ महुने श्रीमै ६ ववीन तीवहाय॥ म
यानादुचनीजीनजतन उपाय २ याना पाडाजतनन मजीवदा
काय॥ नेहुने॥ ६ ॥ मयानादुजीनथनीकुलपाव्यहा २ मया
स्पनजुस्पः वनेलोकसकोहन॥ नेहुने॥ ७ ॥ मचातपनील
थनीवसतनवान २ लातके मफुतलनम नस मवीमाना॥ नेहुने
॥ ३ ॥ ईताडावथवसेस मदुधलसाल २ दाहावनेसेस स्वमे
जमयादुवाल॥ महेने॥ ४ ॥ योजुगस नीस्पध्वर्म ममालेन
सीक २ दुषयावहानाजीनम जुवपतीक॥ महुने॥ ५ ॥ दधिव
धकावजीन जुया अनेग आसा २ स्पहलपा चानालनः मयाकवि
चाल॥ महुने॥ ६ ॥ हाकल अनावसी स्पयाहुने उवा २

दुषहानासमुदरन्योदनेजीपाएमेहुने॥ १ ॥ ॐ ॥ ॥ ॥
 रागप्रथमजलीतालजती॥ ॥ सुन२वैलाईबीनतीहपारि॥
 कु॥ होदेःनकलीपाएऐमनवेएगआई॥ सुन२॥ १ ॥ होदेः
 नमाएवालघःहायेप्राना॥ सुन२॥ २ ॥ होदेएजीद्वीकम
 साहोदेवनेआने॥ सुन२॥ ३ ॥ ॐ ॥ ॥ रागपहलीया॥
 तालदार्जिवाएवै॥ वर्नकथ्य॥ होदेःखणघोरहल२साथ
 जोलीःलोसतालजेहे॥ होदेःजुषवितेदेवलीयसर्वःघनेदवीय॥
 रागपहलीया॥ तालप्रता॥ ॥ आफनेस्वनेलीयवानचलोअवए
 जीतःजाई॥ हेकमचलअगस्वलेपैत्रअलधोर२चएदोमविः
 साथलीयचलअवलाजीतःजाई॥ १ ॥ कहतपुपतीथीएनवाह
 दुए॥ सहस्रजुजोअतीवीलतेलेतमेमनकोरातमोलाई॥ २ ॥ ॐ ॥
 रागकेदारतालचो॥ ॥ सुनीहे३तुमचंद्रवदनमुखःसुनीहे॥
 अपुरुषआईयेःजोहनआईहे॥ देःनचलेऐमनहोईहेःतुमचंद्र
 वदन॥ १ ॥ जडभनेऐमऐमआथआईये॥ अबलनपऐसनहोई
 तुमचंद्रवद॥ २ ॥ श्रीनएवाहादुसोहेवआईहे॥ सजनीकवी
 सुषगईहेतुम॥ चंद्रवदन॥ ३ ॥ ॐ ॥ रागकेलातालखनती॥
 आनंदभयोऐमऐमचलीजाई॥ देःमनएथपुनभयोऐमऐमआ
 जोःजीन२कुलेदवीमजनकलीये॥ १ ॥ वीपतीभयोनीमहलेः
 माहाजोगभयोः॥ देःएजेद्वीकमसाहोदेवीनेभान्य॥ नीज२कुले

॥ राग सा रा ग ताल चो ॥ ॥ दानव सव प्रीली चलीये मान नी ॥ सेव
केल सधरी रह प्रमे के व सोये; चौकी रे हवो जोये; प्रने प्र सल सधरी
लह प्र सोये चौकी ल ॥ १ ॥ वये ऐ के उपर छल वल क सीये ॥ रा
जेन्द्र बी क्रम सा हो दे व न जाने ॥ चौकी रे हे च जोये प्र न प्र सल सध
री चलो अव जापी चौकी लह ॥ २ ॥ ॥ राग पहलीया ताल चो
हे देव २ परिवाल से दीये मा ने हे गुरु परम ज्ये ॥ सर सही दे ही ल छु वाने
सी सर्म चर्म लजे हे ॥ १ ॥ हे सुलगन परिवा स ही हिला न स ही
सुन क जी हे २ नन तल सी घल स; न वा हा दु र ए ॥ २ ॥ ॥
राग पहलीया ताल प्रता ॥ ॥ मान सल सला हा ज; ए ज स ही ये; सव
प्रीली सव प्रीली ये ॥ १ ॥ हली प सा हा ज्ये; निज गुन सा हा जे २ वि
पलीत सा हा जे ह प्र हे हे ॥ २ ॥ अनल ए जे नी ज गुन सा हा जे २ वि
नी हीत मान रह चली हे हे ॥ ३ ॥ ॥ राग पहलीया ताल जती ॥ ॥
चल हुता का अव; पु व ह व हे हे २ नी ज गुन सव मो ही रि सु दु घ
दे वे हे ॥ १ ॥ हनी पती प्र कुत वा प्री वा ए प्र हे हे २ कवी न न ले न
ए वा हा दु र दे वे हे ॥ २ ॥ ॥ राग बला दी ताल सध प्री ॥ ॥
अतीन सुंधा दे स की ती पु ऐ ना प्र हो ये स्व व ॥ वने से ल ना ग म ती;
यु घ वी स नु प्र ती धर्म या था स ॥ नी पाली अ वी पती गन नु प सु
पती; पु न्य उ त्र प ती ल स न स ती उ ती ले; हो दे ल स न स ती उ ती न ज
न पाल व ती या क पान थी वी कत क अ जु गु ती ॥ हो दे; थो वो दे स यो

देसयाना॥ होदे; दानयानाव चोन्; धीधीनु नपासा; तीरियापुरु
 वछह; धर्मया आसा श्रीनुवन लछीमिदेवीन ह्वाक॥ मास्कर मल्ल
 नीपएजे॥ १॥ ॥ राग पहलीया ताल प्रता॥ ॥ ॥ ॥
 नाचगुरु सीवीफलदीजे नित्यनाथ॥ तनप्रन करो गुरुदेव अजन
 नेदीभीदीसंगपर वव ॥ सीवीप लदीजे नित्यनाथ॥ १ ॥
 प्रमप्री जसबको; वरदा नदीजे॥ अगतकी पुजा; मानस आवय;
 सीवीफलदीजे नित्यनाथ॥ २ ॥ नीपती श्रीराज; राजेन्द्र नुपति
 ॥ कहिये ह मोर; वीनती सुनी है; सीवीफलदीजे नित्यनाथ॥ ३ ॥
 ॥ राग आसावली ताल लताथमा॥ ॥ होदे; आदीनाथ जीजमोर
 स्वर॥ होदे; से जगती ताल नतोही वीनु; नाही होदे कोही॥ होदे; नर
 असुरा सुलप्र न नागज जेक कीन ॥ अवलागा एता नी॥ होदे; बुध
 सल तुवा जगत कीनाथ॥ कनक वी माल लथ जा जेले मारा॥ हाहादे
 जय तैल्लोके नाथ॥ ४ ॥ ॥ राग कोला ताल भजती॥ ॥
 चीत्रगवपी; चास्पहल जीकर मथथे॥ होदे; जर्व वर्व; थं स्पतया;
 कायपुता; नीलनी रें; सप नास म वनाथे पुत; वरपायी अनमल
 सीध बुये बैलस; जुलपो जीया कात नवास॥ चीत्रगवपी॥ १ ॥
 हस छी छु सो पाव; गुगुल पाव चोन्; जीमी के स थो दुरीन सुस्पसी
 यमन॥ लुप नीव; नुगल पापाथे चोन्; अमंगल स व थुली जु
 याव चीत्रगवपी॥ २ ॥ ॥ राग पहलीया ताल चो॥ ॥

पुरुषपरसमतीः प्रसीदग्वहसेन॥ सुं धलतनयावनी व प्रसी
 स्पः भोगयाहुपरसन चीत तथा व॥ जी बोसपापुषु तीसहे
 होपलेस्वान जुल २ स्ववसवी स लन जोना वपुह॥ १ ॥ भवर
 यापुर्वया भागपया फलनः देवनदयक लः दयक ल सु बल स
 द्रुया उपमान॥ न वगीत प्रभुस्ववः दुदुमद तस्वव॥ अवलायाव
 चनसीया वपुरुषव॥ २ ॥ सहजगपानीजनः भुलपे जुई स्वसः
 तीरेजाती सकोनी दया वदुयाये॥ सुपुरुषः पुरुषवयापासा
 याना जुयस्वव॥ वीवरती वीनती पए नपुरुषव॥ ३ ॥ पलप
 ती भुपाई इ पलन ह्रायः सीया व सु धरे छनः वीनती पडाव॥
 ससा लस चोने व चीथ मनया वगुन॥ वीध प्रया थोव परिमान
 पुरुषव॥ ४ ॥ ५॥ राग भुपालीताल प्रताल॥ ॥
 घुमी २ स्वससी व माहो देव स्वाप्री॥ नीस्पड वीग व नीः सी चेत्प
 गप्पनी॥ घुमी २ ॥ १ ॥ निधिघान वीमी जोगी भगती आगप॥
 सीलेस्व वलीनः लवलील आगपः घुमी २ ॥ २ ॥ फुतीगप
 लदंमहः तुल्लेज पपाला॥ छतीयान वलहाः फातर वाग धाला
 घुमी २ ॥ ३ ॥ अनय वीयापतीः सुनजगत माता॥ वनही वलु
 प्रता गी भुवनदाता॥ घुमी २ ॥ ४ ॥ ५॥ एगवलादी तालर्त॥
 भुलोक भुवनलोकः भुवन स जाले त पार थले॥ माहालोकः जन्म
 लोकः तपलोकः सप्तलोक गतीले॥ थो मगल यान गल स त वदी

पमानः प्रथमयाजात्रावसगालवाहाल ॥ १ ॥ लब्धाकोसप्यहोद
 वीहताततनहिलघलचाकेले ॥ हाकुसुनस्वानतलः नडावध्यस्वकलोक
 गपाकेर ॥ २ ॥ वसजात्रास्वकलः नसनेफावपचावले ॥ कलीकाव
 ममलनहीलावडः पचावलेथोमंगल ॥ ३ ॥ सुवर्नपुरीपाजात्रावस
 लगनसमाजुदकेस्वयेले ॥ सुयसोकोतीदेवलोकः ईस्वरावीमानस
 वासले ॥ थोमंग ॥ ४ ॥ करकोतकपाफनीमनीजुलेथोजाजुलेमान
 रे ॥ लोकनाथात्रावकास्पः लब्धात्राल्हा लक्ष्मीनीवासुल्प ॥ थो ॥ ५ ॥
 ॥ रागव्याहागतालपलीप ॥ चलोभाडनीतीरदुदेसजायीदेसेदे
 सफीरेतेहीपुजावीवीकरीयेः चलो ॥ १ ॥ हाकलअनाथसीस्प
 वीव्यकवीचाल ॥ श्रीराजेन्द्रवीक्रमसाहदेवकरीयेः चलो ॥ २ ॥
 ॥ रागजयजमतीतालप्रता ॥ चलअवचनरथपुर्नभई ॥ येहानीज
 भुजपरसलतनमीलार्थीः रतनभीएहायीः श्रीभुवनजानेहे ॥ १ ॥
 नापतीभकुतमनीगोयेगायी ॥ जहाननएवाहादुरकवीसुखगाई ॥
 श्रीभुवनजानेहे ॥ २ ॥ ॥ रागवलादीताल ॥ ॥ दुयायेक
 रमयाफलः हेहेपान ॥ ॥ सतुरीया नीदिया नलीनावहलथनी ॥
 दहनससलजीवनः हेहेपान ॥ १ ॥ ॥ देः ॥ दे २ जीभापनः नागलो
 कसजीथन ॥ देः नागएजादसुनयायः हेहेपान ॥ २ ॥ ॥ देः ॥ चंपकनाम
 नागः राजानसलताव ॥ देः ॥ पलसार्नवोववीयात्रतलः हेहेपान ॥ ३ ॥
 देः ॥ दहनयाचोसचोनालायवुयात्रासवील ॥ देः ॥ रागएजायात्राचो

नः हे हे प्रान ॥ ४ ॥ देः नागरजया दयानः नलं चायापह लसो ॥ देः
 दहननं च तद्येयावहलः हे हे प्रान ॥ ५ ॥ देः हाकल अग्यानी जनः भ
 गवानया सरा ॥ देः जुग जुलजील ॥ दे हे हे प्रान ॥ ६ ॥ ॐ ॥
 ॥ राग कृहा ताल चो ॥ ॥ सभा सवडा वजीन वी व्यक घाना वः थ
 म् ॥ एकीली तीलाये ॥ १ ॥ नीती समनत स्पज जा प्रतीपा
 लया स महीन्द्र सीन होये ॥ २ ॥ ॐ ॥ राग आरती ताल प्रता ॥
 श्रीछास्का पीनी के आरती गावे ॥ ॐ ॥ तुमहि चरु मेवे चाह प्रपु
 तः ता अती भगत सभावे ॥ श्रीछास्का पीनी ॥ १ ॥ भगत की वीन
 ती सुनी ये हमाया ॥ प्राव पुनी वेथे वे गावत भावता हनी ॥ श्रीछास्का
 ॥ २ ॥ कहत कवीः लम गल गाव ॥ ग्रीवान जुधवे वीन ती सुनी सेतार
 नी आरतीः भगत न भाव्य ॥ श्रीछास्का पीनी ॥ ३ ॥ ॐ ॥ ॥
 ॥ राग आरती ताल ली ॥ ॥ आरती याघ कृल व धाई ॥ ॐ ॥ गल स
 के सा स्पतयाः भीन वन माला ॥ सभा चक्र ॥ चतुर भुज धर ॥ जग
 त सलालयाः जुल वल एजा ॥ १ ॥ सकु पुनी सत्य भाभाः जवंष
 वत स्प ॥ ताल मृगं देनः अने गतु चास्प ॥ २ ॥ कुंदल मकुतः देल घो
 वान ॥ कएकी न दुस्पतयाः सभा यावान ॥ ३ ॥ जमुना या तीर सः
 चोन सजा याव ॥ अती न वालवः गव कुत यावान ॥ ४ ॥ हाकल अ
 ग्यानीः कृपा याव स्वामी ॥ पाप प्रती फुत की व भीन भुमी ॥ ५ ॥ ॐ ॥
 ॥ राग आरती ताल ली ॥ ॥ श्रीये ग्रीव राज घोवे आरति याये ॥ ॐ ॥

वसयारूपजुलःवालधसुर्जपाउना॥ मुखजुलतीनयनतीमुखःश्री
हयग्रीव॥ १ ॥ हेःसीलसमतुक्कवनयाशेलधिकावर्जअधिजो
स्पःरसभुजधलपु॥ श्रीहयगृव॥ २ ॥ हेजगतमयाअधीपती
कहनातीवरे॥ भगतयाकाभुनापुऐषानावीव॥ श्रीहयगृव॥ ३
॥ हेनरेदेहीजनसुखलपतीतस्प॥ चलकप्रलसभजननीयाये
श्रीहयगृव॥ ४ ॥ ह्वाकहयातनमनग्रहचैत्पदुग्नी॥ भुपतीसु
रैन्दपाभावनयानारे॥ श्रीहयगृव॥ ५ ॥ ॐ॥ रागगोएतालचो
नाएयनेकेनमोनमो॥ ॐ॥ वसुदेवनन्दनःकेसरीधंदन॥
पुदोमनाहरेकेनमो॥ १ ॥ गरुदवाहनःहरीगोपीजनचैरे॥
श्रीदामोदलेनमो॥ २ ॥ हृषीकेशःगोकुलतालपल
पुरुषतेनमो॥ ३ ॥ कहयेअर्जनःहरीवयेकुंठनायके॥ ल
क्ष्मीनाथतेनमो॥ ४ ॥ ॐ॥ रागगोएतालगद॥ ॥
आली॥ अवतनमनकरीयरसखेली॥ वदकप्रलःपदनयसजु
लखेल॥ तन॥ १ ॥ कुसुमवीदुलतनुःप्रमनीपयेभुवनस्वस्पदे॥
भनलवाहादुःनीपकुतराजे॥ अलीतन॥ २ ॥ ॐ॥ ॥
रागआलीतालप्रता॥ ॥ श्रीनागरजायाःभनयाभावनआ
लीपाये॥ ॐ॥ रूपवयासुंदरखाया॥ गललेकोखायाभालपनि
कया॥ श्रीनाग॥ १ ॥ ईश्याभोगयादीपालीनीपाया॥ वीहुने
ग्यानयावलःदीगुनया॥ श्रीनागएजाया॥ २ ॥ ॐ॥ ॥

॥ रागधन श्रीताल ॥ ॥ तुलसी भाव तुलसी लीये ॥ ॐ ॥ ओ
 कृ. मृदंग तालव जाई ॥ बीस तुमारे ॥ यही मन परेये ॥ तुलसी ॥ १ ॥
 हरीगुन गाये ॥ कृ. लीये ॥ मन मन एसील ॥ भाव तुमारे ॥ करी
 ये ॥ तुलसी ॥ २ ॥ दास तुमारे ॥ कृपा करे मरली ॥ यही मन ला
 गर पाउताये करेये ॥ तुलसी ॥ ३ ॥ ॐ ॥ रागधन श्रीताल
 प्रता ॥ ॥ अघ हरनी ॥ जगता री पाई ॥ ॐ ॥ आनंद द
 धाकरनी ॥ जग मो जसो अननी ॥ सदा हे दुखताली ॥ अघ हरनी ॥
 १ ॥ हे ॥ जगत जाल पा दुष हरन कालीक ॥ आफही आफही
 सुमन ॥ अघ हरनी ॥ २ ॥ अनघ भगत की ॥ वीनती सुनीली ॥
 अतकाल मेनी लासनी ॥ अघ हरनी ॥ ३ ॥ ॐ ॥ रागकोला ताल
 ॥ मन का पुनो देनी ॥ ताली गुन घा वधानी ॥ ॐ ॥ तेज जुई सुर्ज
 ती ॥ धानवान पावती ॥ होदे ॥ स्वाप्ती जुल ॥ हे जननी ॥ श्रीप सुप
 ती ॥ मन का ॥ १ ॥ पतीत पागती पती ॥ दस नवीन मती ॥
 होदे ॥ फुल की व पापला मपती ॥ २ ॥ ससाल स म दु जीती ॥
 बार बार दुष अती ॥ होदे ॥ वने वने म दु जीत गती ॥ मन का ॥ ३ ॥
 श्री श्री श्री ना एयेन ॥ पर जा घाले ॥ होदे ॥ प्रतीपाल यात गती ॥ मन का ॥
 ॥ ४ ॥ ॐ ॥ रागप हलीया ताल गद ॥ ॥ दीवी नामे व मेदु
 अनेग स्वप्न ॥ तेज घा स्वप्न न ॥ वस ॥ मदन गवपाल प्रभु ॥ वि
 चाल घाना व स्वप्न जीन ही ॥ दीवी ॥ १ ॥ पने मते दाये दी

नः पीसाया दुवल ॥ हतपाये जेत जित् दीवचननेने जुलः दो
 गां पार पात का वदो नः हरी ॥ दीवी ॥ २ ॥ हतासन वयाथनः
 महरही लाव ॥ महरसबीनती हरी ॥ द्यो जव तोलती वः वधपानि
 थनवां वा ॥ हरी ॥ दीवी ॥ ३ ॥ रसयाष रसनः जी जुलनान ॥
 पीरतीया पास थनः दई व पताया जीनः कपती पीरती पास
 केन हरी दीवी ॥ ४ ॥ हाक हन हास्पतयाः वीचातनी
 पाव ॥ सताल जगत दीनः लखल पुवी ज्वाक हः दरसन वी
 यतेल दीन हरी ॥ दीवी ॥ ५ ॥ ॥ रागतो दी ताल जती ॥
 हे सतगु रु वज्र सनोः पुनीन देवया ॥ ॥ दे प्रही पा वहुये
 प्रफयाः जोगः जान गुन वया ॥ गती वीर्यः अगतीयाः पास
 केने जमया ॥ सत ॥ ६ ॥ वल्लसुजन प्रसीयाः चल जेने प्र
 फया ॥ अकार प्रअगपानी जुयाः दीपाती सप्रहेया ॥ सत ॥ ७ ॥
 कलीस जर प्रकयाः लोअ प्रोह सतु पाया ॥ दान पुं मकार
 प्रयायेः जीन जा प्रफया ॥ सत ॥ ८ ॥ कर प्रस तया प्रदुः
 जपतप जीन प्रसया ॥ कोती कोती जीपा पीयाः दे प्रया वदो
 नयाः सत ॥ ९ ॥ ॥ राग पालु वना श्री तालनी ॥ ॥
 स्वर्धे भुजोती रूपः श्री मंगवाना ॥ स प्र लोचनीः प प्रदी ताएः
 जगत सहाये ॥ आरती ॥ १० ॥ मुनीगनः देवगनः सब लोव
 ही दय ॥ श्रीदस भुषीः जगत पा दन पती ॥ घाय आरती ॥ ११ ॥

॥ रागभारसीताल जती ॥ गवादागद ॥ ॥ जयनी; तपना ये स्वार
 जयनी तपना थ ॥ घ ॥ नदी भी नदी नी लसा थ; तस्य न बीजा क ॥
 ली ॥ त्री सु ल दं म ह जो स्पि; रसन श्रीता न ॥ प्र ॥ अगत पा प्र न ला पु
 रघा क दीन ॥ १ ॥ ३:१ ॥ राग भंगलताल जे ॥ ॥ अतीन
 आनंद जु स्प; हर खन लोक मु स्प; कने नु यो धर्म प्रया थात ॥ तन
 प्रन चा न ही न; धर प्रया ती न प्रन; ठा जुगल प्रदु; वकी नानं ॥ ३
 गुती गुती प एन ॥ १ ॥ हो दे; ने पाल स जु स्प धनी; गु नी प
 र का स प्र ल क वीं द श्री जय पर का स ॥ गुल सोरी प सु पती दे
 बी पार वती; गण स स्य ना उती भान ॥ अगुति मुगुती ॥ २ ॥ ३:३
 ॥ राग के लाताल गद ॥ ॥ ठ व वी सै वा स; वो डा व पा हा न प्रया
 क ॥ उपासन तय रहयता उती न दुवान ॥ १ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 अपज सरव स; पर जो जीत प्रता ॥ सत दी ह ती स र द्यु जी धु नु न
 प्रता क ॥ २ ॥ लोहन गजन; अती धु नु नो भता क ॥ सी व सी व
 सी व र न त प्र न जी केन ॥ ३ ॥ पर सन जु य जीत; गो वेल स आ
 ज ॥ अती वी प्र न पु; दु ख के ना व ब हू ये ॥ ४ ॥ पर ता प प्र ल;
 हा य प्र स व सु नान ॥ सी सा आ दर पा ये र पा ये या ई व गु घान ॥ ५ ॥
 ॥ राग गौरी ताल प्रता ॥ ॥ आ जी माई मोहन न नदी की लव धन
 का हा चले जा वली ॥ ६ ॥ हो व स घी ली स्या प्र लो; का के ही आ
 वत जो; स्या प्र ए ॥ कु दल हल न की; जल नाल की; दी के स्या प्र

[illegible]

माई जननी को अंत न पाई; भक्ती जनको तन सुख पाई ॥ १ ॥
सुगंध धूप दीप; आरती बनाई ॥ फल फूल तांबूल; नैवेद्य चढ़ा
ई ॥ माई जन ॥ १ ॥ सुख एतनी जनसम; ध्यान लेगाई ॥ सहस्र
किं नर सब आरती गावय ॥ माई जन ॥ २ ॥ सूर्य को तीजो ती आ
रती बनाई ॥ तंत्र मंत्र मंत्र; सब तुल्य पद होई ॥ माई जन ॥ ३ ॥ ॐ
॥ एगधना श्री तानो ॥ ॥ देवो माई अनंत रूप ओये गोपाल ॥
आरती कृष्ण बिले वृक्षे बोला ॥ ॐ ॥ धुनी के धुनी सब अंगल
न ताई ॥ गौरे चनको; तीर बनवाई ॥ देवो ॥ १ ॥ प्रारम
कृत सीर; पुण लीखे ॥ नखतर रूप जो जगत मोहे ॥ देवो
॥ २ ॥ नमो जस्व दोद मन आय ॥ कनक पर सपर अंगल गाव
ये ॥ देवो ॥ ३ ॥ ॐ ॥ ॥ एगधना श्री तानो ॥ ॥
आरती भीम रूप साहावली के; मोही घदीन तु माहि चरन
की ॥ ॐ ॥ सहस्र बीजुली जे स्वेजे जघन की ॥ बाहु गदारीय
सत्रु संहारे ॥ आरती भीम स्वन ॥ १ ॥ मो ६ म कृत मनी
मोहे सनथ को ॥ करन की स्वप्ना नाग दुंदुल की ॥ आरती भीम
स्वन ॥ २ ॥ रक्षा करे प्रभु; अपने जगत की ॥ आरती
गावय पांडुर दनती ॥ आरती भीम स्वन ॥ ३ ॥ ॐ ॥ ॥
॥ एगधना श्री तानो ॥ ॥ ते तीस के ती देव के थाकुर संग
नाच; माहो देव भाला लेप ॥ ॐ ॥ फनी मनी हाल गले ह दमाला ॥

अगवी भुती वे बाग दाला ते तीस ॥ १ ॥ गी सुल चदग
दं मरु स्वने हाव्ये ॥ च दारि ताल जता स्वने पाव्ये ॥ त तीस ॥
२ ॥ ते तीस को ती दे व आर ती गोये ॥ सं व्या पा र व ती च व ल
दो रा घ ॥ त तीस ॥ ३ ॥ दे वी भवानी ॥ जंग ल गा य ॥ भोला
नाथ सी का वी नुन व नी धी पा ये ॥ ते तीस ॥ ४ ॥ अनघ
वीद्या पती ॥ आर ती गा य ॥ सब दुख हर ने हो गा पी मा ता ॥ ते
तीस ॥ ५ ॥ ॐ ॥ ॥ राग वन ना श्री ताल प्रता ॥ ॥
पेगुली पदार ठ लाघ स्या ज घा आर ती गो ये ॥ ॐ ॥ श्री चंद
केसरी कलु ऐ न पा ये ॥ फल मुल नई वी दे द्यो ॥ पेगुली ॥
१ ॥ नुगल दे वा कः ॥ ज्ञान प्रत व्या य ॥ अ गति नः ॥ कल मुल
व्या य ॥ पेगुली ॥ २ ॥ यक चीत तन मनः ॥ ही ना म का ये ॥ ध
न जन भा या मो ह वा ये ॥ पेगुली ॥ ३ ॥ हा क ल या मन स हो
पा ली वल बा ल ॥ दी वी ना न म दु जी उ पा य ॥ पेगुली ॥ ४ ॥ ॐ ॥
॥ राग गौरी ताल चो ॥ ॥ सं व र ती ही मे आर ती करो ॥ ॐ ॥
ते ज ती अरि अरि जोई आई ॥ अ न स व न की ल ये ॥ अनघ वी ए
ली म ॥ सं व र ती ॥ १ ॥ दया ल दी प्री के प ती आई ॥ जय पर
का ल म ल ॥ अनघ वी चाली मे आर ती करो ॥ स ॥ २ ॥ ॐ ॥
॥ राग आर ती ताल ह ॥ श्री ता ए दे वी के ल ना करी आर ती करो ये ॥
॥ ॐ ॥ श्री वैलो चन मु नी या के वी चाल करी ये ॥ सं माल स दे

मदुद्धोवीनानः विवर्जनी उच्चार ॥ श्रीतारो देवी ॥ १ ॥ हानः जलमनुरा
सान ॥ अंतसमते लेधि नजीवाय ॥ आरती ॥ २ ॥ ॐ ॥ रागगौरी ॥
तालचो ॥ ॥ दीव्य आरती ॥ रागजिः भगती भावः कर तजोती रूप
साधनाये ॥ दीव्य आरती ॥ ॐ ॥ लतसः सपलकोती लवील चान
अपनसी गीवास ॥ देवदईस्मः द नज आवः सीव भावना ॥ दीव्य आ
रती ॥ १ ॥ अमलक मलवीरा जे दल नरे के पीरा मेह ॥ जय प्रकाशः
सुर्ज वंसी जोग जोग भावनाये ॥ दीव्य आरती ॥ २ ॥ ॐ ॥ ॥
॥ राग मालो धना श्री ॥ तालली ॥ ॥ हे संसल उच्चारया क जगत जन
नी ॥ ॐ ॥ उत्तरे हे मंत गी ऐसः सुर्ज कृति वेहारस ॥ आनंद २ वी ज्याक
श्री धास्का मीनी जगत जननी ॥ हे संसल ॥ १ ॥ तन मन भाव घाये
७ जा पुष्प धुप पोसा ॥ फल मुल २ धास्म आरती पाये ॥ जगत जननी ॥
हे संसल ॥ २ ॥ परे जनते लतावः वया धनी परे देस ॥ सुदिस्तीन २
धाव कुल न नानी ॥ जगत जननी ॥ हे संसल ॥ ३ ॥ कत ना श्री नीलो च
न स्व वलव जन याते ॥ फल कीव २ पाप मोह जात ॥ जगत जननी
हे संसल ॥ ४ ॥ इंदुनु महाल संव हूक सरा जे घातु दास ॥ आरति २
धाव छाव उच्चार ॥ जगत जननी ॥ हे संसल ॥ ५ ॥ ॐ ॥ ॥
॥ राग धना श्री ताल प्रता ॥ ॥ आरती भाग भगती न लाये ॥ ॐ ॥
माजो देवी घावाल वः लोक प्रती पाल पाक ॥ वल जुल सीरी माक म
नी अवतार ॥ आरती ॥ १ ॥ भगत या जुल आसा दीवी नानं भदु

जोहा॥ जीपनीया जुलधिये तन मन भाव॥ आरती॥ २ ॥ हाकल
 अनाथ सीसे चारपाखा सीधिन॥ तेनो अथपु रे पाव॥ श्री भगवान
 आरती॥ ३ ॥ ॐ ॥ ॥ रागताल धना श्री ताल न॥ ॥
 श्री श्रीरत्न चरनको नमो जनानमो॥ ॐ ॥ बुधसुने नको सर्वपापमो च
 न॥ जगत॥ नजन श्री प्रभु सोके नुनी स्वा॥ चले नमो॥ श्री श्रीरत्न॥ १ ॥
 धर्म श्री प्रगदेवी पारतीताको नमो॥ त्रैलोक्ये ताता जगदी स्व क्य
 चले नमो॥ श्री श्रीरत्न॥ २ ॥ संघ वैलोकनाथ॥ सर्वलोकपालन॥
 कहये हे गुजनाथ॥ मेको पती पा॥ चले नमो॥ श्री श्रीरत्न॥ ३ ॥ ॐ
 ॥ राग आरती तालत॥ ॥ देवी छ्वास्का सीनी भजना नीचाय॥ आरती
 ॥ ॐ ॥ सील सत तु कलु पा॥ हे लभ नीधु स्पतया॥ होदे आसा जुलहे
 जननी॥ रत्नया पात्र॥ पाय आरती॥ देवी छ्वास्का सीनी॥ १ ॥ जगतया
 थकुरा नी॥ जगत मोही नी देवी॥ तेज सुजे चंद्र माया डन पाये आरती॥
 देवी छ्वास्का सीनी॥ २ ॥ संसालया आसा धिके॥ जाना चाने हे ताता
 ॥ वस पाली हे जननी॥ कोस भजन नीचाये आरती॥ देवी छ्वास्का सीनी॥
 ॥ ३ ॥ हाकल दीदासन॥ हाना बीनती चरन॥ स्वये तले हे जननी॥ कर
 नार्न भती पाये॥ देवी छ्वास्का सीनी॥ ४ ॥ ॐ ॥ राग धना श्री ताल चो॥
 आरती हनु नी भाव नयाये॥ ॐ ॥ दे॥ जगत ससृस्तीया को नव न दुधि
 बीनानं॥ धर्म सत नत स्य भाव दु फीव॥ आरती॥ १ ॥ हाकल यातन
 सन अनाया न जीप नीया॥ द्यो चरन गासु बी व जरा सदान॥ आरति
 ॥ २ ॥ ॐ ॥

॥ राग आरती ताल ली ॥ ॥ देवी द्वास्का सीनी भजनी जोये आरती ॥
 सीलसतनु कलुंयाः हे लमनी धुस्परया ॥ जोलासो हे जननि रत्न
 या पाव जोये आरती ॥ १ ॥ जगतया चकुरानी जगत मोही देवी ॥
 तेज चन्द्रमा पाउ न ^{जोये} आरती ॥ २ ॥ संसालया आलाधिके पावाचो
 मोह पाता ॥ वसपो लेहे जननी ॥ कोस भजन नी जोये आरती ॥ ३ ॥
 ॥ राग आरती ताल ली ॥ ॥ हे वुंगया लोकनाथ स्ववजी अनाथ ॥ ॥
 श्री वीरिं बीनारो जेन बी चालनी जोये स्ववहे ॥ संसाल लेहे २ प्रदुद्धी
 बीनानं स्ववजी अनाथ ॥ हे वुंग ॥ १ ॥ होदे वसवर्न हे गुलीया
 पले स्थान जोनाव ॥ थवदा सी हे ॥ भालपा व स्ववर्न ही प्रनाथ भा
 वजी अनाथ ॥ हे वुंग ॥ २ ॥ होदे नरपतीस्त जनाव ॥ छीन कृपा
 दयावा ॥ छीन जीगु हे २ बीनती अनाथ स्ववजी अनाथ ॥ हे वुंग ॥
 ॥ ३ ॥ ह्माक लया तन मन आरती नी वीये देवा ॥ बीज तेल हे २
 छीन जीत दरसनदान स्ववजी अनाथ ॥ हे वुंग ॥ ४ ॥ ॥
 राग आरती ताल ली ॥ ॥ हे संसाल उच्चा एयाक जगत जननी ॥
 नील २ दरसन बी व उगता रनी ॥ मनी मय पर्वत सथीर न बीज्या
 क जगत जननी ॥ हे संसाल ॥ १ ॥ भयदको फुलका व बीज्या
 क ईस्वरी ॥ जगत सप्र दुवती गुन यावधान जगत जननी ॥ हे सं
 सार ॥ २ ॥ देव पुनी जेन प नी स्पन ॥ यात नील आरती ॥ वारिवा
 र छी पाली कोस वास तीव ॥ जगत जननी हे संसाल ॥ ३ ॥ ह्माक

हो अनाथयाः पुण्यावधनो रथा ॥ भुगुती भुगुती सपती वीववर
दानजगतजननी ॥ हेमं सार ॥ ४ ॥ ॐ ॥ राग आरती ताल चो ॥
भाव नलाय अनेग अगती न ॥ गहद आसन ॥ आनन्द जुल वल ॥ सार
नवी ज्ञाना चो न गुया चासा ॥ भाव ॥ १ ॥ जवल व कल स जुल व
वषे स ॥ गन वना लाय व स पाचास ॥ भाव ॥ २ ॥ श्री मही इती ह्या
व स के तु आसा ॥ जगत स उपकार पासे ॥ भाव नलाय अनेग ती न व
सा ॥ ३ ॥ ॐ ॥ ॥ राग आरती ताल प्रा ता ॥ ॥ देवो आर
ती हरी जु क आगप ॥ जगत की नाथ की आरती गावे ॥ जल जल स
पाव ज न पु रे देवो आरती ॥ १ ॥ श्री पलाप पल आगा वये ॥ भा
व अगती मोरे ॥ आनंद तो रे देवो आरती ॥ २ ॥ ॐ ॥ ॥
राग पालु धना श्री ताल ॥ ॥ श्री स्वये नु चलाय भाव आरती ॥ श्री
ये नु ॥ १ ॥ ह्री कल पात न मन चान ही नदी भजना ॥ वीव वास
दी पद स को स भाव आरती ॥ श्री स्वये ॥ २ ॥ ॐ ॥ ॥ ॥
राग धना श्री ताल ॥ ॥ अगती भाव न करत जो ती स पला धना य
दी व्य आरती ॥ ॐ ॥ रचत व पल को ती स वील चाल क मल श्री
नि पा स हे ॥ देव दे स २ भनु स्य आदी पु ध भावना दी व्य ॥ १ ॥
अ मल क मल वल दी ए स ॥ अत ए वा स श्री नी वा स हे ॥ जय पु का स
सु र्ज व सी जोग ॥ भावना य दी व्य आरती ॥ श्री स्वये नु ॥ २ ॥ ॐ ॥
राग धना श्री ताल ॥ य का ल ॥ ॥ जे वा हल ॥ हे वा धली ॥ हो दे आसन

बीलिः ताली नीजे है ॥ होदे आजोनही कालुः छः लेः सुनी ॥ होदे
 बीछः नेः पएनेः यबी पाली नी ॥ होदेः द्विदयः मोलाः हाय्य स्प
 सुनी ॥ होदेः कवनेः पएनेः पेछीः पाली नी ॥ होदेः यमः नेः हमा
 एः होदेः सवरसः होपिलमाः लीनीः यबी पाली नी ॥ ॐ ॥
 राग आरती ताल नो ॥ ॥ श्रीधन मुनी धरः सारनागता ॥ करो
 हे जगत उच्चारः आरती श्री भुवन जोती सप्तान ॥ १ ॥ अं वु च
 रनसः रनजये गावये ॥ मुनी हे करे त उच्चार ॥ आरती श्री भुवन
 जोती सप्तान ॥ २ ॥ नीपाल प्रभु नी श्री गीवान जुषाः वीक्रम
 जवात सुधोर ॥ आरती श्री भुवन जोती सप्तान ॥ ३ ॥ मुनी स्वर
 न मोतो हेः भव दुष ता ऐ हे ॥ सकल घानी सत्त्व २ कीया सुधला
 य ॥ सते २ ॥ आरती श्री भुवन जोती सप्तान ॥ ४ ॥ ॐ ॥
 राग मालु धना श्री ताल प्रता ॥ ॥ सतगुरु के न मोते रा प्रनामे
 ॥ ५ ॥ आदी पुरुष प्रभु केः जुग जुग ध्यानी है ॥ ईह कचान मो २
 मम सधा मोका ॥ अनय अनाथ जानीः सर्वे पाप मो चनी ॥ आरती
 भावन २ सब जन मोरे ॥ सत ॥ ॐ ॥ ॥ राग वसंत ताल चोती ॥
 होदेः जय देवः ईस्वर वज्र को बराजा ॥ होदेः रत्न वन स्वगीतः गीन
 ये न भये का ॥ होदेः हारजीन वागवगंवा राजीत ॥ जय २ भैरवना
 था ॥ ६ ॥ ॐ ॥ राग वसंत ताल चो ॥ ॥ ईस्वर हय गी
 वराजः वीरुने सुभवा दान ॥ ७ ॥ होदेः सुजीत जउतीः श्री कस्य

गलदीलीः स्वहुने कर नादया न भती ॥ ईस्वी ॥ ५ ॥ होदः जि
पनीवाल मया २ आसादी जगतयाः जीपनी जनावती वदया ॥
गुनमहाय जीन मफ यादी वमानः जगतस मदुधी स मान ॥
ईस्वी ॥ २ ॥ होदः वीहुने सु भगती २ भगती दी के भतीः आसा
न नो नदी के अती ॥ हाक हया धुतीः वीनती ने न भतीः होहुने जी
पनी पार गती ॥ ईस्वी ॥ ३ ॥ ॐ ॥ राग वसेत ताल ती ॥ ॥
गोपी नु ना व व न व ना वः कानु व ना पः फा गु न ली ता व ॥ ३ ॥
रसी क लाल मया अपार अती न वान वाल गो बाल ॥ को की ल हल
का मया जाल हल मः स म य व सेत या काल ॥ गवपी ॥ ५ ॥ स्वान
होया व नो न व ना व र स या भा व जु ल यो आता ॥ धी धी जो नो व चु वात
मा व अवी ॥ अतर वे ए हो ला वा ॥ गवपी ॥ २ ॥ अती न स्वा क स्वान या
त्वा क गल स ला क भती न ता क ॥ सी ल ड ला क अती न स्वा कः नी ह स्या
अंते ए द्यु स ला क ॥ गवपी ॥ ३ ॥ सं व पु या व दा पा था ना व मु नी
या ध्या न मो हे र पा ॥ व स या च ए न ला प कृ पा न सु धा र म दे ते त स वी
नान ॥ गवपी ॥ ४ ॥ ॐ ॥ ॥ राग वसेत ताल चो ॥ ॥
फा गु न ली त न का व हु ॥ स्व स गवपी पनी स न डाला पु म चार का
नुः र स न वी द्रा व न स फा गु न ली ता व ॥ ५ ॥ फु डल च व ली चु वा
अत ए न हो ल ॥ धो ल क मृ दं ग धा स म्प्र हा ला व जु लः कानु ॥ २ ॥
अवी र अ रं ग जालः पा स ल न हो ल ॥ वी क न पु धु ली ह स प ले स्वा

नहोलः कानु ॥ ३ ॥ श्रीवन्देकसरे चुवालुना नहोल ॥ श्रीवी
 सप्तसीयावः चवपासाह नलुतः कानु ॥ ४ ॥ पालीयायलसएद
 यकावः जुलचस्पेदेव मुनीपनीसं देहनजुलः कानु ॥ ५ ॥
 वाजनयासवदनः विभुवनव्याकः ॥ हाकलवालवसीस्पस्ववक
 लनानः कानु ॥ ६ ॥ ॐ ॥ रागवसंत तालप्रता ॥ ॥ श्रीपमति
 कराजादरसनयाये ॥ ॐ ॥ बागपसजोस्पवीज्याकस्वभान ॥
 वसतेजजुलसभान ॥ श्रीपमती ॥ ७ ॥ सीलसप्रतुकलुं पुस्प
 नस्वभान ॥ वसतेजजुरसभान ॥ श्रीपमती अनेगके बास्पतया
 एनसभान ॥ श्रीपमती ॥ २ ॥ मफु हायेदोवकानः प्रहीपाधी
 ध्यान ॥ हाकल ॥ अना वसीस्पः थकाय ननानी ॥ १ ॥
 ॥ ३ ॥ ॐ ॥ ॥ रागवसंत तालप्रता ॥ ॥ करेजो
 शीवीनतीहमाएनेरि वसजदीजे ॥ ॐ ॥ जमुनाकीतीरने
 साहि कोदोएनीगोभेनोहाकेवयये ॥ आफनेके चलीव्य
 लीदीनगयोमारुसनहीअलनकीः ववरनहीपाया ॥ ७ ॥
 नन्दजुकीपुत्राउगईगयोहागईनिसगववरगरुवोहे ॥ जाई
 हमकहावसएवसवनहीसरमभयोपेरो ॥ ३ ॥ वींदाव
 नमेग्वाहीहोगाः पनीसंगव्यलि २ भुले ॥ कवीदीनआयेः कव
 दीनवर्षः कउनवोलाउहात्माकी ॥ ३ ॥ कदवकीवीचभोल
 उचापेनवर्षः अवलाकीलव्यतादेवीये ॥ अवलाकीवीनती

तु वाप दस्य वा ए म की ना म भजो ले ॥ ४ ॥ ३३३ ॥ राग वसंत
ताल प्रता ॥ ॥ असी स गाली व दे मे सी व सं वा छे ले हारी
॥ कु ॥ को हु अरी हरी हा की का म ह को हु अ ते नी व्यनी ॥
आ नी व वा व था कु र को ए प्रती त म के दे ती व्यती ॥ ५ ॥ गौ ग
व्य ले ज भु ना छे ले छे ल त ग न प ती गु ड ए ॥ स व जो र गी भु नी
व्वा र छे ले दी प्री र्द म ह व जा ई ॥ २ ॥ अ सी को स गाली व द
वी ए ज्ज; कै क न ता व के ए ली ॥ क ह स वी आ व त ताल व जा व
त; को ही स वी कर ते न हो री ॥ ३ ॥ ३३३ ॥ राग वसंत ताल प्रता ॥
मा ता श्री व ज जो गी नी पा हु ने उ व्वा ए ॥ कु ॥ व्वा ल गी धु गु ली
या; च ड्ढ पा न धु ल्प त पा; ह स स कुं द ल जु ली या ॥ सी ल स म
तु क लुं या; मु ड्ढ पा ला न के वा पा व; ते ज जु ल को ती सु र ज या ॥ ५ ॥
ली गी नी व्या गी नी ग न पा ती; अ ई र व जो ग प स्त; स ही त न वी
ज्वा क ॥ स्व गु ली या व नी; छी पा ली प र स ज नी; दी हु ने अ भ य व
र दा ना ॥ मा ता श्री व ज जो गी नी ॥ २ ॥ ३३३ ॥ राग वसंत ताल
चौ प्री ॥ ॥ ज य छ्वा स्का प्री नी; दे वी भ वा नी; ज ग त या ज
न नी ॥ हो दे; हे पा ल भु मी या व नी; सं सा ल स जु ल्प वी न; वी
व व र दा न ॥ ज य र का मी नी प्रा ई ॥ ५ ॥ ३३३ ॥ राग वसंत ताल
चौ ॥ ॥ ज य र छ्वा स्का प्री नी वी व व र दा न ॥ कु ॥ न के ल म
ग ती या म भाल पा व व या ॥ स दे ल या स र ह्वा ती र छ्वा स्का प्री

नीदे बीरे ॥ जये ॥ १ ॥ सुवर्नमुप्रीया धनी ॥ द्वास्को पी नीदे
 वी ॥ हासदसपालो कस्य २ पाप न भजनो ॥ जये ॥ २ ॥
 भजनदिदासनपाय तु जात न ॥ वी व जीतग्यान धन २ तनसत
 यकारे ॥ जये ॥ ३ ॥ हाक हन नाल पाव हास्यतया धो व
 वन ॥ दोन धालु का पा पा व २ नजन ही स्पे ॥ जये ॥ ४ ॥
 राग वसंत ताल प्रता ॥ ॥ परजन को हीन हीन एक ली व राजे ॥
 ॥ ॥ गंगा सना न करी ॥ दुफुले ते जीये ॥ सी व २ भजन करी ये ॥ हर
 कर ते पाप दुता व ॥ हरि के नात पुको ॥ परजन ॥ १ ॥ नीपाल
 मंदले पती गु नीजन के गती ॥ राजि द्वी क मसा हा जाने ॥ जाहा म
 दुजन पीली गु पतन करते ॥ सब ही के र संग राजे ॥ परजन ॥ २ ॥
 राग वसंत ताल दो मी ॥ ॥ जय २ नी सना ये स्वे हेर ॥ श्री सुल दस
 रु ॥ लु ड की माला ॥ मु ड की हाले ॥ सी धी पती गने स कु मो ॥ भुत
 व्य ताल ॥ सग न नाथे ॥ व्यल त सं ग ॥ १ ॥ ॥ ॥
 राग वसंत ताल ली ॥ ॥ सची जीत न न स ते ना अंती नंद प्रका
 य ॥ ॥ ॥ भुवन स म दु व पी ॥ सु धर अजु गुती ॥ स्वप्न न तु स्वप्न
 गा क ॥ अने ग कर स हे व ॥ ल स ने हे ये के स व ॥ जीप नी सर ॥ सी कल
 जा क म ते ना स ची ॥ १ ॥ र सी कल पी वा पान ॥ ही ला व स्वा या
 व वन मो हर प ड ई नी ये ने न ॥ धी र न म चो न ग पान ॥ नु गल स
 व तु ध्यान ॥ वा म माली व ध का व ॥ ग पा क म ते ना स ची ॥ २ ॥

वधवा जी बोना थास; तथे तेल मुदेस; छुत कल स्वान न स्वाक ॥
अधीन श्री जन होये; आग प पा वल न लाये ॥ जीवन तु तले जीन;
गपा क प्रते ना सखी ॥ ३ ॥ जर स स फल जु ख; कर स स श्री
साते न; हरी जु पा स्य व क न दू ना ॥ स्व गु ली लोक पा धणी; पु स
प्रद के। स त नी ॥ ल स पा फल न रा क ते ते ना सखी ॥ ४ ॥ ॐ ॥
राग व संत ताल अनल ए ॥ ॥ धागी स्वर ल त गु ल; ही द य पा
धनी ॥ आले भान की स्य बी जा क; ही त थै ते न या स्ये ॥ बी स व ने
ने चै स्य धाने; आनंद थी क; गु न बी धा वा चा सी थी जा क व स
स्य न ॥ ५ ॥ ॥ राग व संत ताल श्री गी ॥ ॥ माली
नी जाये र; सुगंध ड धा न स; र सी क कु सु प्र वा रि य ध री ग लो
॥ ६ ॥ दे भो ड प व न; आ जे ना ए र ग वाल ॥ सुगंध व र नी य; पु
ल व न की बी स्तार ॥ माली नी ॥ ७ ॥ थी र ची त न ही; ओ जे व
संत प्र का स; भ व ल के की ल लाल त भुर बी र ॥ ल वा हा ड र
भु प; कह त सु गा व ये; म द न भो ह न सार ची ल ही ड लारे ॥ म
ली नी ॥ ८ ॥ ॥ राग व संत ताल श्री गी ॥ ॥
हे स खी वं स त या सी तु जु ल स ने ड पा स ॥ ९ ॥ म द न स्व वे र थी
न दु गु न प्रे म दी न गा ये ल पु अ ने ग भु मी न ॥ को की ल र ग ल
म न स ड ता प द न; थी र न स चो न ची त म न ॥ हे स खी ॥ १० ॥ सी
म चो ल जा व; सी मा स नाना र ग स्वान चो स; हो स्य चो न स्वा

नं धावा न सीमास ॥ धोस्वान धावा सना नः भवत वीरा स जुत्ये उ
 तु उलाववनस ॥ हसवी ॥ २ ॥ धकुपादीन धावसः हाहाव
 न होवनसः रती एत जुलवनस ॥ अथी नस्त जनवको भन तु
 वनी ससु भगती नयाना व स आसा ॥ हसवी ॥ ३ ॥ पुरुष पा
 धर स नलाना जीनः धी पुरन ज र म सा फले जु व धन गु द्वा क म दु
 ध्व ध्व धान व ह्य पागु गु स्वयाम तैल कृ पौ ध स व ना वः हसवी
 राग वंसत ताल नो ॥ ॥ हाय २ च पास्वान्पा डनवाने ॥ ह्रीदे
 दोली गीरी पारवत ॥ सं प्रकुने मो लड्डये २ अती पुन्यला कर
 सो वसवी का न जु पारुप ॥ ५ ॥ पारवत्या ल्या फल से रः दे
 वल जु या व ॥ लुं प ले या अती स्वभा २ ग्री भुवन धी कोः स्वव
 ॥ २ ॥ नर जन पती स्पने देवल उलाव ॥ ध्वल क मृदंग
 धास्प २ र स न मे हा ले रः स्वव ॥ ३ ॥ गरु द्या हा पा चो
 स्नेः फा गु न सी ता व ॥ स्वस्प नर्त स्वय म गा क २ का न जु
 पारुप रेः स्वव ॥ ४ ॥ हा क ह्य श्री ल धु म ने रः वस पा सी वा
 न ॥ धी पाली नी पा या को स २ वी व जी त वा से रः स्वव ॥ ५ ॥
 राग वंसत ताल वजती ॥ ॥ आदी पुध श्री भगवान दर स
 न धाये ॥ हा हा दे श्री भुवन या आदी नाथः श्री स्वये भु भगवान
 न्यपाल मंदल सवी ज्मा क ॥ सहस्र पली चो ल स्वये भु या जो ती के
 नः सुय स्वको ती देव पु ना वी ज्मा क ॥ ६ ॥ हा हा दे श्री गुरु जे

जुसुरिः जोतीरुपस्वयेभुः स्वय भुचै तेन केस्पः ॥ देवायुपु
री अमीपुरीः नागपुरी वसुपुरीः सातीपुरी पंचपुरी ला व ॥
२ ॥ हाहा दे पं चवुधप्रभुवनं देवदको मुना वीज्यात
नेपाल मंदलस ॥ दिथ व ३ मालाकास्प देवगर्न वंदाकास्प
मपाल मंदल उ वारयाक ॥ ३ ॥ हाहा देहा कलयात नमन
केवन न धी चरनः वासलाये माला देने पाल पाद्य व पपि
श्रीनरवाहादुरः नेपाल स प्रती पालयाक ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥
राग व संत ताल चो ॥ ॥ हे हे श्रीरी जय हय श्रीवराजायात नमो
॥ ॥ ॥ वस सहाय पुरुती जुलः सुरजया उ ने ॥ स्वयान स्वर्गल
श्रीवानः श्रीभुवन हीतया क ॥ श्रीरी जय ॥ १ ॥ भुज जुल धतं भु
जः अतीव प्रको धनुस्य ॥ ससती स्मृत पाहा ॥ जोती या पाल
थीकि ॥ श्रीरी जय ॥ २ ॥ भगत या का मुनाः अतीन पुरन या
को ॥ हा कलयात नमनः मनरथ पुरे यात ॥ श्रीरी जय ॥ ३ ॥
नेपाल पा भुपतीः श्री सुरेंद्र राज हे ॥ जुग जुल यह चैत्प दुर्ग
ग्यान सं जु क्रयाक ॥ श्रीरी जय ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ राग व संत ताल
लेजो ॥ ॥ त्या प्रभुं वार व संत वल स रा ध्या व हीत ल व ना ॥
वीं द्रा व न स वा जन थाना वः तत वल ता मृदंग ध्वल कः दाप
वीन ध्वव ए ज वः त व त व लीत धरा मंजनीः रा वा व ना प हीत
ल व ना ॥ १ ॥ गो पी ग न प नी जुल मे हा ला वः च व व र

वसालपुष्पावडगगकुम्भकुलीसींहासप्रनफली; योगावा
सुरी; राधावनापसीतलवन॥ २ ॥ धींदावनसफुयेर
हालाव; धीधीजनतयावहीलाव; होलावहोलकावकाव
जुलसलवीज्जाफ॥ हाकलअनालीयाआलाधिपालीराधा
स्माप्तसुधै॥ ३ ॥ ॥ एगवसंततालप्रता॥ ॥
बीहरतीहरलीह; सरसवसते॥ नृत्यतीजुर्वतीजन्मननम
सबी; बीलहीजलसुधैते॥ ४ ॥ एलीनेलवंगल; तापरी
सीलन; कोमलमपसनीरे॥ मधुकरनीकल; कंवीतकेको
र; कुजीतकुजकुतीरे॥ ५ ॥ उर्मदमदनमेरेधपथीकधा
बुजन; जनीतबीलाय॥ अलीकुलसकुल; कुसुमसमुहनी
राकुलवकुल; करे॥ ६ ॥ मृगमदमैरे; मलमलसंव
द; नवदलमरदमारे॥ भुवजन; हीदयवीदालु; मनसीज
नखलु; धीकीलीबाजाले॥ ७ ॥ मदनमहीपती; कन
कदंतहबी; केसरकुसुमबीकास्य॥ मीरीतमीरीमुख; पा
तलीपतलकु; तस्मरभुवनवीकास्य॥ ८ ॥ धीगलीतलंजि
त; जगदवलोकन; तलुनकलुनकृतहास्य॥ बीरहीभीकृत;
मुखाकृतीकेतकी; दतुलीतास्य॥ ९ ॥ माधवीकागमि
गरललितेनव; मालीकपातीमुगलो॥ मुनीमनसापपी;
माहनकाहिनी; तहनाकालनवंधो॥ १० ॥ कुलदंततमुक

लः ताप लीरं भनः मुकुटीत पुरकी ततहते ॥ वृन्दावन वीपीने
पालः रस पीरः गतजमु ना जलपुते ॥ ७ ॥ भीजये देव भनीत
मीदः मुद्रये तीः हली चलनस्मृत ता ॥ सल सवः सत सप्र
येवनः वन तुने मनुगत मदन वीका ॥ ८ ॥ ३० ॥ १
राग वसंत ताल पुता ॥ ॥ कथीन कमधकाः चलन लेस ॥
कर प्रीजे जालकीः कलीये देर ॥ १० ॥ आली सु अंवल वरत
कीर्तिः स एनः मुनी वसु नी उता दीहु ॥ धनक तोरे ^{स्म} कन्या
रीहुः कहत एजलीषीः वलत यक ॥ ११ ॥ वील ध्वी ए अत्रिस
र माल सु एन मुनी सवः वे व्यहारे ॥ अनु ~~व~~ तुतल नहीः मे
जे राज यहो वी वी काल कौने काज ॥ १२ ॥ राज चंड ज व
कीहु पयाने देव कन्या वहीः वे व्यधी जान ॥ ये हो पु ह व जानी
जासी हारः प्री व्या जेन मली घार भकु माह ॥ १३ ॥ राज चंड
ज वः अनु कपि ह सुन ए मुनी सवः जय जय कीहु ॥ तुलसी दा
स जन भयो हो आनन्द स्य ज वी हापनः राज चंड ॥ १४ ॥
॥ एग वसंत ताल प्रदा ॥ ॥ गनपति मेह सरो वरे जप पाय ॥
एना बीतौ लीयाः दर्प स भुपती गो वति मः तल जाये ॥
॥ १५ ॥ पुरन साह भयत न के सुतः सव वंदी भय एत साह ॥ डीवर
साह भय कुल दीपक कुल साह सुत पाय ॥ गनपती ॥ १६ ॥
रुद्र साह भयत न के मु चः पृथीपती साह आये ॥ वीर भद्र

साह भय कुल मंदल; नर भुया अवलारे ॥ गनपति प्रहे ॥ २ ॥
 पृथ्वी नारायण साह; प्राहा बली; लहर नपा लदवाये ॥ स्त्री हं
 प्रताप साह; कुलनायक; नर बाहा दुर्जग दयाये ॥ ३ ॥ श्री
 गीवान जुव वीक प्रसाह; नाय क राज करे जीन साया ॥ उध
 य न चंद्र दी व्यकर; जबरणी ए बावल न कवी याये ॥ गनपति
 प्रहे ॥ ४ ॥ भुप ए जे द्रवी कम साहा नदन; सुरे द्रवी कम
 साहा आये ॥ स्नात कु पात्री धी; गोर्षा साहा बली; त वगु न कवि
 जन गाये ॥ गनपति प्रहे ॥ ५ ॥ ॐ ॥ राग वसंत ताल प्रता ॥
 नंद नंद वृष भान होए के यय स प्रुधा ॥ कु ॥ मालीती की सु
 व; वसी नीय ज के कीन भाभी नी; मधुकर भुजा ॥ नव बीर ही
 नीज नावर ह के पुज; वी डा वन द फु वाजत न न नंद २ वृष भान
 ॥ ६ ॥ पहिरे मोही नै मो; हन मो हन मो ती के माल; संग स वा
 य न ज गोपी नी गाल ॥ ये नु मृ दंग बजा व ता ए हाटि खेलत; गो
 पी कुल राहा ॥ नंद २ वृष भान ॥ २ ॥ अवील भी भी; जो
 ली साय; पुवा बंद नल प मो गात ॥ लते नख-वीत; पच काशी
 हात; संग लीय रा धा नागर ह्या थ ॥ नंद २ वृष भान ॥ ३ ॥
 सब स वीय न वणि आये गोरी; अं च ए ता धाल लीय कु
 च वर ॥ सोह कुमाने क; ज ए ली जो ली; नयन वान; फेरि मान
 त घोरी ॥ नंद २ वृष भान ॥ ४ ॥ कुच की कु म कुन; मृग मद

गुं जगो वदन मा नु उदयो चन्द्र ॥ तो पार सो भीत अरक नंदः मानु-
सु धाहीतः नागी नीरुद ॥ नंद बुध भान ॥ ५ ॥ रात्र गुहात
वा दार बहुवारः अरि पत्र कारि एग वर स्पेधन द्यौर ॥ पीत वसन
घनः दासी नी अरः राधा मोहन नाच तपोर ॥ नंद बुध भान ॥
६ ॥ यहवी धी बलतः नर भुप नंदन भुप प्री धी नारा मन कु-
र चन्द्र ॥ नलींद्र वही प्री देवीः सख सैक दः राधा वल्लभ भु-
दी गाये वसंत ॥ नंद बुध भान ॥ ७ ॥ ३३ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ राग वसंत ताल अस्त ॥ ॥ हो दे श्री मत्पनः माहावीर
गदा हस्तकः धारिनी ॥ भुसासन जालीनीः आनंद भयोः
दुपती देवी मन पुरे पात्र ॥ ३३ ॥ राग वसंत ताल प्रता ॥ ॥
का वरा जा श्री श्री मत्पनः वीर वरदात ॥ भु ॥ कर मस दई व-
न चो स्पहल चो स्पहल चो व्य धान वणा व जी मन स अवी माना
ग श्री लवी धातानः धार कल उ भाल नमन यो जी उ धी नी व्य न-
न ॥ १ ॥ च एसन फा व मन दुषया व लु मनानः दुरु हा पातो
लेत धो प ए न ॥ जर म दु प्र यो जनः रुक ए न धानो केनः यः
मत्पत यो ज स गुन ॥ २ ॥ तये दे व सु या के नी हा ये गो ल-
मा के धनीः धव कर म सु न जी श न ॥ दई व मानो दयान धन
ये ने म दु जन न र क स थो ज ए म जु ल ॥ ३ ॥ तये धा म या
मनः दई व दु या य जीनः ध धी न जी गे धि प जु पा ॥ ४ ॥

केतुभालपात्रः धनसंस्तु प्रवतस्पः नया अमनेन चो धीदान ॥
॥ ४ ॥ परतो स्वस्वजीनः अनेग नीतलपात्रः फया अथ
जुगतीजीनयाना ॥ वनीजालजरमलः भवद्याजुनेन नर
दुग्गु मकल न केन ॥ ५ ॥ यथ्यया नाजतननः मजीवग
धेयाहीनः लसवुवघासथ्यनेन ॥ लसहीतुहीलमनः वन
नीभालअमनः हीरधियाही नयोसरी ॥ ६ ॥ धनी
स्वाप्रथोजमः अनेग नीतलपात्रः लपनसखना ये जो
भन ॥ हतनक जुममनः अमा भातः अतीप्रनः तेल कृपांग
रीपुषनाक ॥ ७ ॥ संलालजगतनः सुमल पात्री मस्य
नः योजुगसमदु नवीनानं ॥ कृकलपातनमनः हीरधी
या नालः तेल कृपांगरीपुषनाक ॥ ८ ॥ हरे
रागवंसत तालनी ॥ ॥ नुयो होयेही जीस्पनः वीन ती
नीयाना स्वय ॥ ९ ॥ अजुगुती जुलयो धनीः वव्या अमा
न स्वयमननात्रीः सगा मसहो जुलथनी पीता धाय
गधीवीरः सतो ससा वस्य पात २ धनीका मेदे वया वलनः
को अथुना तलपो केहे जुः नुयो ॥ १ ॥ अथलस व केहे
स्पनः वव्या दुषे फेन व नल प सीया जगया तनेना ही जी
धीन सुंधी हायः मदुजाल पुवनस २ जीजीरुप घनाकः
जगत मोही नी केहे जु ॥ नुयो ॥ २ ॥ कोवी वृक्ष सीमाया

कोसः वसतपादीलवसः दाये नीरैज नवनसवीजाना ॥ ३३ ॥
पुस्तवसुं वरिहायः जात्यववववजड अनर श्रीजीस्वहनदह
वायः वदह जायवरे केहेजु ॥ नुयो ॥ ३ ॥ दायराजकुमार
राज्यभोग तोलतावः दुयात वीज्याय जालथना वसतयास
मयसः काप्ररूपसम नतस्प २ थ थीरूपजड अनसः गथ
वानातये लेकेहेजु ॥ नुयो ॥ ४ ॥ रतीएसवीवदी नः मुसु
कहीलावकेनः जीपनीवववनालादीना ॥ वीकी आदीतालथा
स्प जत्रं आदीतलगाकीस्प २ मृदगवहुरी थास्पः नावकलसी
तेले केहेजु ॥ नुयो ॥ ५ ॥ नानाकामनानारसः सीत्यवकाव
याथासः अतीगुमानया नादीलवस ॥ मजीलयो थवेचो
नाः वसपोलयाथास वने २ लाचापीनक धसपुनाः लुईदि
नाहयेले केहेजु ॥ नुयो ॥ ६ ॥ आवगथ्ययाये थनीः ग थी
नलज्या जुलोः थुलीत सईव जताया थनी ॥ थ थीरूपवया
थनीः वृषत प पात थनी २ वसया मरीएसः वृष जुईव जता
या हेकेहेजु ॥ नुयो ॥ ७ ॥ हाये २ मसीयावेः सप नास म
वना येः थ थ थ बोये कातईव जताया ॥ मते २ सहसवीन तीः
जीला जाती यातास्ति अती ३ वीवत पहा पाया येः परसन
जुईला केहेजु ॥ नुयो ॥ ८ ॥ वीनतीन येजा जुस्पः लाक
तीह पुनी स्पनः दीव रूप याका वील थनी ॥ थी थी मुख

स्वस्मिन् चोनाः आनन्द जुलयो म २ वस पु जाया नाया पुर्ने स्वर्गता ए जुई
 वेके हे जु ॥ नुयो ॥ १ ॥ नुयो वने अत पुरीः चोया ली स व पु जुके वीस्ता
 र स म स्त व केने ॥ नृपती श्री जयवीर राज प्रका स म स्त २ चोया चोस
 ओने अन ह्ना कोः सी व जुल यो के हे जु ॥ नुयो ॥ १० ॥ ॐ ॥ ॥
 राग व संत ताल अष्ट ए ॥ ॥ हो दे हे ताल पा र पी नी मा ताः श्री पु व न
 उ चारि नीः र त दी प या पु दा म नीः श्री द्वा स्का मी नी दे वी ॥ ११ ॥
 राग व संत ताल वे ॥ ॥ पंच मी यो दे वः सा स्वती मा जु ॥ फल वी
 ल व स नः ला ला था ज्मा स ले रे ॥ नु यो स छी गु प त नः फी रे या ना ध य
 ॥ १ ॥ नाना लोक या त्वा क स्वा नः वी य ग व ल या त ॥ सु पु ह ष म घ न
 वः उ यी नी जी जु ले रे ॥ २ ॥ लाले बाले जा व व स धा य या त चो त ॥
 स्वे र स क ल ली तु अ ती ही ल रे ॥ ३ ॥ मंगल सु स्वर जु व जी त अ ती के
 न ॥ के की ल या ल ल म मे म स या धा ले रे ॥ ४ ॥ गु चो ल सी जा नः
 स्व य म न ग दु धी रा स ह या य म जी व ह यः व सं त व दाने रे ॥ ५ ॥
 स क ल सु म ह नः अ त ल ल य न ॥ त वे हे दी त म दु जी तः ज उ य न स्व ले
 ॥ ६ ॥ धी र ज नी या वः ध न व सं त ने स्म ॥ व स ता ए ध न धे वी न ती स्वे
 ॥ ७ ॥ श्री पु पा ले द्र म ल व र म स दान ॥ भ व ल या मु न या स ज ग त उ चार
 रे ॥ श्री प च मी ॥ ८ ॥ ॐ ॥ राग व संत ताल री ॥ ॥ ॥
 पा सा नु ग ल स वी र ह न मी द्यो व म ज्म न ॥ ध्रु ॥ व स ल न वा क जी म नः व
 प मी या कः ध धी न वा र स व ता वा क ॥ व स प दे स लो क प ज उ य न जी द्यो

फुक, अनेग कलान चीक वसन सीने सीने सीने हेवा फनुग ॥ १ ॥
तो लते मफ घाजीन, ती घापीती या तो रे न अती न सते नात्र, जी मन ॥
मलु मने मफु जीन मी घास चोन येहन, वस गुन लु मनान, नुग ॥ २ ॥ चा
हस हग स घना, हलन जी पी एघाना, जय दना स्व घा व म घना ॥ थु गुली वि
रह घना, तो लते प ए न घाना फया वोधी जयाना, रस घाना म का ल्य चो
ना ॥ नुग ॥ ३ ॥ हाक ह अ वलान, चो नाही द ह आ सान ल वल पी सुवे
(रज वी) जी पा पी स्व ना ॥ जय प ए का स थानि नी पती द के मनी, त्यज
न सु रज जो ती, सु व ज धु पती ॥ नुग ॥ ४ ॥ ॥ ३ ॥ राग व संत ताल च ॥
हे मा न या च कुरानी श्री द्वा स्का पी नी देवी, सी ल स म तु क लं या, हा स स
कु द ल सु या ॥ ग ल स के घो स त या र म या माला, जय र द्वा स्का पी नी माता
राग व संत ताल जती ॥ ॥ जय र द्वा स्का पी नी देवी तु मा री स ल ॥ कु ॥
हे मा ल भु मी पा धानि, जय र जन नि जु ल ही प र स म नी ॥ १ ॥ दे वि स्म र य
व नी ॥ पा र्ती व का थ य कुरानी ॥ दि वी ना न म दु ध नी ॥ २ ॥ हाक ह अ
ना थ सी स्म, उ व्हा र या व नी ॥ पा र्ती व का पी नी सु फ या ना ॥ ३ ॥ ॥ ३ ॥
राग व संत ताल अ व र ॥ ॥ हो दे मा हा गु र मं जु सु री, व द ग पु स्त कं चा
री नी ॥ काली ही द को द नी, ह र्घ वी राजे, के सी नी उ पे के सी नी देवी ॥ ३ ॥
राग व संत ताल अ व र ॥ ॥ नी ल व र्ण मा हा काल, काली पा ज धारो ॥ म क
जन पा ली आ नं दं करे, उ र्ज ल गु न नी वी ॥ ३ ॥ राग व संत ताल प्र ता ॥
श्री प र्मा त क राजा, द र स न या य ॥ कु ॥ व द ग प र सु जो स्य वी ज्पा क ल्य मान ॥

वसते जनुल स्वर्गसमाना श्रीपद्मातका ॥ १ ॥ सीतल सप्त तु कलुंया पु
 सेन स्वमाना ॥ अनेग को वास्यतया रत्नसमाना श्रीपद्मातका ॥ २ ॥ सफु
 हायदीवमाना गही तादी व्यान ॥ हाकल अनाठसी स्पथका वनना
 नी ॥ श्रीपद्मातका ॥ ४ ॥ ३३३ ॥ राग वसंत ताल चौ ॥ ॥ ॥
 जय २ स जु श्री वी वी व्या फल ॥ ६ ॥ माघ सुक्र पचमी वसंत तया ही
 तु ॥ स्वप्र २ सकल सप्त जु श्री या ला नरे ॥ १ ॥ षडग पुस्तक हस्त पत्र
 आसन ॥ जय भवत सप्त तया गनेस माहा काल जय २ ॥ ३ ॥ ज
 गत सप्त दुवस वीद्यान पुराण ॥ फल वील वस सप्त नः भन सप्त तया नरे जय २
 ॥ ३ ॥ तन मन या क भा व नरे लोक सप्त न ॥ भगती भा व न ना न वी वी
 धा फले जय २ ॥ ४ ॥ हाकल मातन मन वस या तु व्यान ॥ वसत या स
 मय सु ॥ आनंदन हाकले जय २ ॥ ५ ॥ ३३३ ॥ राग वसंत ताल चौ
 ॥ होदे जय सी वी दाता गव्य व ॥ दर स न मा य ॥ होदे रेंदी नींदी नी
 हपासा ॥ संसात स जु या व ची न ॥ होदे नी न वरदान ॥ जय नी सन थ ॥
 ॥ राग वसंत ताल प्रता ॥ ॥ हे हे कान जु ॥ हे हे ने जी ज मु ना या पा र वी न
 ती ने ने माल ॥ ६ ॥ मन या हाता स न व या थन का जन ॥ पे ने ने वी र्
 व नी भाता ॥ धे का ज के तो ल ती व ॥ हत या म म ते दी न व म मा री थन वारं
 वा ॥ वी न ती ने ने माल ॥ ७ ॥ ॥ सह या धात स ॥ न ई व ॥ अ ने र स ॥ राज
 न ज न म दाला ॥ ने ते र ने अव ला व ॥ ल वात स गा सा ला व ॥ लु ल गु ल न
 भी न ड माल ॥ वी न ती ने ने माल ॥ ८ ॥ २ ॥ पर या ती ए या व न

बुधमनेकतसदीनर शुगुलीतु व्यहाए ॥ साजलवेनेवासः तेवमंदुतः अ
 नयामनीहसरसंगः नीनतीनेनेपालेहे ॥ ३ ॥ भास्काकृतयोः व
 चनेनेनावः दीनेतालतीव शुगुलीव्यहाए ॥ सयामस सवतजुस्य चो
 नसप्रयसः वसयामस वतनगोपालः वीनतीमनेपालेहे ॥ ४ ॥
 रागवसंततालप्रता ॥ ॥ जस्वदामाकायपाताहीतलवलंत ॥ क ॥
 स्वा नमस्वारनधिधिरसंगन कमफलकृत्स्नाहा ॥ स्वयान अतीमन
 कृत्स्न^{पके}वलनः प्रायानेके नयोपानः जस्व ॥ ५ ॥ सुधरलोहनभीवीडा
 वनरः अनेगस्वानसीमानः ॥ प्यापलदना वचनः नस्वानावधीषद
 पावाहनानः जस्व ॥ ६ ॥ कदमसीमापकेलः पाधवजुलव
 सः वासुहिलस्वमानः ॥ उगुलीस्वरनमधुहिरदेसनः स्वपीनीवलसु
 नतः जस्व ॥ ७ ॥ ग्वालीनीनकरानः कानजुचतुरदायान स्वतमी
 यानः ॥ आदरवचनअष्टीतथीथीनपीतलः तीषायकलानः जस्व ॥
 ४ ॥ शुगुलीतुः वसंतव्यसहलः एनजीतवमानः ॥ मुनीसहीतनः
 चानसुधीलनमफजे वीकृत्स्नप्रायानः जस्व ॥ ५ ॥ ॐ
 रागवसंततालवेगा ॥ ॥ जयः द्वास्कापीनीवीववदान ॥ ६ ॥
 नेकासभगतीपायेः पालपावप्रया ॥ संदसप्रसुस्वतीः श्रीद्धा
 स्वामीनीदेवीः जयः ॥ ७ ॥ सुवर्नमुनीपाधनीः द्वास्कापी
 नीदेवी ॥ हासंदसजालोकस्पनः पापभजनोह जयः ॥ ८ ॥
 दीनजनदीदास नयापेतुजीमनः ॥ वीवजीग्यानधनाः मनसतयकागे

जयेश ॥ ३ ॥ हाकलन भाल पावडा तपत प्रचो वधानो दो नथा लके ॥
पावडन जनसी स्पे ॥ जयेश ॥ ४ ॥ ॐ ॥ राग वलंत ताल प्रता ॥ ॥
दर्वसुभुपती स्वपती चतल जाय ॥ ५ ॥ पुनसाह भगत नके सुत
सखर्वदी भय एत माह; उवे साह भय कुलदी पक कृ ल साह सु
त पाये ॥ १ ॥ सड साह भय तन क सुनी; पृथीपती साह भाये ॥
वील ड साह भय कुल मंदल; नरु पाल अवलो ॥ २ ॥ पृथी
ना ए भन साह; महावली; सह रे पाल दवाये ॥ लीहि प्रता पला
हु कुल नायक; लपाहादु रजग दाय ॥ ३ ॥ गीवान जुध विक्र
ल साह; नायक एज करो जीन मोये ॥ उवयात; चड दी व्यक
जव एगी एवा; वल भक पी जाय ॥ ४ ॥ भुप ए जेड वी कुम
साह ॥ ओम ॥ त्याम कृ ल पात्री वी; गोर्जा माहावति; नवगुनु व
वी जम गोये ॥ ५ ॥ ॐ ॥ राग वलंत ताल प्रता ॥ ॥ हादे
भजले पथी लोक नाथ दरसन याये ॥ ६ ॥ हाहो दे भय न मो वध गु
रु श्री स्वये भुजोती सप; महतारी गुहे स्वरी माई ॥ दे श्री कृत नाम प
संताल पा प्रा ने स्वरी; वस पा के सरन जी जुल ॥ भजले प ॥ १ ॥ हा
हादे; ए जस मस्त ताल तात; भवी ए पा भस कालि; कन्य कुजन ग
र स येन ॥ २ ॥ अय प्रीय सुदर्शन महुने जीव जन; हथी जुया चोने
मल ए नी ॥ भजले प ॥ ३ ॥ हाहादे; लोक नाथ नाम कालि; उपा
वदवर्त पात्य; धर्म पाक थाहि ॥ जी ल्ये न नेना ॥ दे; नु पोरानी सु

दर्शनार्थी जी देस सवनातः वीरनयाना मकालवने ॥ मजले प ॥ ३ ॥
 हा हो देव वरमया सनसः सलीलया सुखस्वये नुमो एनी सुभाषति
 वने ॥ देव हा कलप्रसन्नी लोक नाथ या सनसः देन गुली कोभाया
 पमाल ॥ मजले प ॥ ४ ॥ ३३ ॥ राग वसंत ताल प्रता ॥ ॥
 हेमाल भुमीया धनीः श्री द्वास्का मीनी ॥ कुं ॥ हा हो देव देव देव
 यामाताः दलपोलयात पगुनः वी भुवन सना मदन ॥ रवाल उनक
 पुरी पाहेरा मेती मनीक पा प्रमीषा वान पलेस्तया रथान वान दारा
 सजास हेमा ॥ ५ ॥ मनुक सधुस्तया हेरा मेती मनीक पा ते
 जजुल सुर्जसमान ॥ गलस को वास्ततया रतन बा मालान र हात ज
 भीत नती याव हेमा ॥ ६ ॥ हा हाती न जो स्प चो न रतन या भी
 जनः हरषन स ए जो नाव ॥ देव को लोक वनातः दया दय माल माता
 पाहुने लोक उधा हेमा ॥ ७ ॥ नर जन लोक स्प नः नर जन्म क
 यावः पाहुने वस पोल्या स्प व ॥ हा कल पात न मनः वस पोल्या
 च एन स र केवल न वास लाय माल हेमा ॥ ८ ॥ ३३ ॥ ॥
 राग वसंत ताल प्रता ॥ ॥ जय र हा ती देवीः वी भुवन या रानि
 ॥ कुं ॥ ने पाल या धनी जुल बुदाना म नीधु नी देव को लोक या मा
 म जुल ॥ स्वहुने लोक यातः सुदीप्ती मीषा न र देव को पा प पु दे मा
 ले ॥ जय र ॥ १ ॥ ज सं व सं ई स्वरीः देव देवी तयातः हरषन द भिन
 स्व या ॥ बाल व या उ र धी पतीः दलपोल जुल माता र देव को

कर आया प्रजात ॥ जय ॥ २ ॥ बुली दुख फुल की हल पोत
ज कदतः जाहुने संसार उवा ॥ पाय प्रफुजी नथनीः हल पोत बासी
ना अतीर साया मोह फुल का वीव ॥ जय ॥ ३ ॥ नेपाल यादव
पतीः सुदिद माहार जाः वीक मला हो देवा ॥ हाकल अज्ञानी नः हा
ना जीन थो वीन ती २ थो घद को ला त जुय माता ॥ जय ॥ ४ ॥
रागवसंत ताल चो ॥ ॥ आदी भवानी माता देवी उगति र नी ॥
कु ॥ भुगुती भुगुती माता २ तुमारी प्रसने ॥ आदी ॥ १ ॥ आ
दीलो बन तोह माताः कर्ती कपाल ॥ पंचकपाल लील २ चड
कलातीनीः आदी ॥ २ ॥ तुमारी डवारी माताः सींगीनी बांगी
नी ॥ भागस जोगीनी माता २ लप्री छातुर साधनाः आदी ॥ ३ ॥
नाना पृथी देवी हरे तुमारे दया भु नी ॥ तेती लकोती देवी २ तुम
के कोज मानीः आदी ॥ ४ ॥ यहि लोक पाले लोकः मोक्ष पदाता ॥
न लोक गती तोह २ श्री भुवन सुंदरीः आदी ॥ ५ ॥ मनी बुदप
रवतसः भव भिस दील ॥ स्वये भु चैते धर्म बातुर अती मन
होले आदी ॥ ६ ॥ ॥ रागवसंत ताल प्रता ॥ ॥ आदी
बुध श्री भगवानः स्वयं तल कहना दयाना ॥ कु ॥ नमो ल्का एपा
यजीनः श्री बुध भगवानः सत गुरु श्री वज्र सतो ॥ मोह माया जा
ल सः दुफी नाव चोन लोक २ श्री श्री मन वो धले पे म फुः आदी
॥ ७ ॥ वाग मती वीलु मतीः देको ती र्थ आदी नः ही २ दी या अ

सनान योये ॥ गृध्रकृतपारवतसः बीजाक श्रीधर्मवातु २ भगवा
 नदरसनयोये आदी ॥ २ ॥ स्वस्वकीकी स्वयभगाकः वसपो
 ल्या रूपगुः स्वयतेलकहनादीलीनी ॥ लायूदयुगोचलतः द
 लपोल्यादरसन २ वीयेतेल अनुतरुपान आदी ॥ ३ ॥ यहीलोक
 पालोकः जगतयाई स्वस्वतगुः श्रीधर्मवाती ॥ हाकहयातन
 जनः वसपोल्या चानसः स्वयतेलकहनादपान ॥ आदी ॥ ४ ॥
 ॥ एगभारतीतालचोमी ॥ ॥ जे भजमेहिनी करिनीदई ते
 सहापिनी गीसुलकपालकाखु ननीमाय ॥ स्वयतेलकहद
 मा रापुडकपाला ॥ भगतजननीये ॥ जोगत्यान अख भुजच
 द्रमदलेः रक्कबीजय ॥ वी भुवन चान नयं जस्पवा ॥ घत २
 लगजवाल स जानीय ॥ ५ ॥ ॥ एगभारतीताल ॥ ॥ ॥
 भैरवदीपालीपा चानसदाने ॥ ६ ॥ भधुकपीतम हाईवातु
 रस्यानावः यानाव जगतनीदान ॥ ईद्रादीदेवगनभु नीजनपानि
 स्पनसुमलपुपालि पत्यव्याना ॥ ७ ॥ ॥ धुंवलोयनः चद्रमु
 दलसहस्र रक्कबीजयाहीतोनाव ॥ लुंभनीलु भवत्यः रसन
 हीताव अनल धलपु भगवत नाव ॥ ८ ॥ भुलतपे चोनाह
 न पापसतु चानहीन भनाल पुदी भजनग्यान ॥ रवि मायाप
 मालधिनसीयावः वालधतीनः भवभदुगंती दीवीनानं ॥ ९ ॥
 मुकुदीनीदेवीनहा जलपालाहातिन स्वाती जहीत न वहाय ॥

स्वर्गुलीलोकपावनीः दीपालीपासपनीः वीहुने अजयवरदान
॥ ४ ॥ ॐ ॥ रागमासीता जती ॥ ॥ अईरव दीपालीपाच
रनसदान ॥ ॐ ॥ लखेकातीपरमानः असुरसपास्यः वाधपाक
धनपरीवार ॥ जोगीनीगनपनीः व्यासर्षीज्यादुस्यः पातहीन
जनसापुत्र ॥ १ ॥ दीरघा लयातेजडनः हार्दिकसुजनपनीः
सीलसचंद्रमावीकदशीनदीसासचोसः संजाल उधर
पास्यः जगतसप्रदुक्षीनान ॥ २ ॥ गलसमातमालाः रवदग
दमरुजोहाः हातसमोती न लाया ॥ आकासईला मनपुत्रुः
त्वानजुलकहातयाः आनंदनवीज्याकरसन ॥ ३ ॥ जगतसं
सालनः सुमेलपुत्रैवः मजलपाहीदल तुष्यान ॥ जगतज
नपनीः दीपालीपरसपनीः भावनप्रदीकजनपनी ॥ ४ ॥
हाकलजननः पाहुने उधारहीनः भगतिन मजनाधराना ॥
नृपतीश्रीजेतीरुपरकासमल्लभुपः स्वहुने बालधालपा
वोः अईरका ॥ ५ ॥ ॐ ॥ रागमासी जती ॥ ॥ श्रीभुवन
जननीहैः मुंडमातात्वका ॥ दूतवपालयः त्रीनयनवदनः वृ
रतीकपालमनीसलप्यः हाहादेः जयर चंदीनीमाता ॥ ६ ॥
॥ रागमासीता लजती ॥ ॥ कालिकानगवालीकादलपा
तजगत उधाले ॥ ॐ ॥ वंभुसुपापतः मानसरिलस वस
तधुंकेगुलीलाजगहीयो ॥ मातपाप्रकृतसः कप्रनभिल

याः सुतीया मूलक तयावे ॥ जय ॥ १ ॥ गतस नरे खेतं गभनव
सकोसः द्वा एतत् पुनी नीने ॥ वदग वसा ॥ सतीत वदुदुः
खल पुष्प का मोहा तीने ॥ जय ॥ २ ॥ तु गत कुती पुती च
याने आता पुती ॥ हो पेन कुतु ती ॥ १ ॥ क्वी जयः सतुरी दइते
याः पुजन हया ही फती नरे ॥ जय ॥ ३ ॥ अतीन जयन
कः मुहती वस हयाः तयान कुली स फइ नरे ॥ भुपती दि
याः जन सतन प्रनः भाव जगती ही वस नरे ॥ जय ॥ ४ ॥
॥ एग ग्रा एती ताल जती ॥ ॥ जयन मो च दी जाताः जन सत
यावे ॥ भजत पे वस यावे वील लभ या पः जगत जननी च
कुल नी भवानी ॥ १ ॥ श्री जय परकास मल्ल न द्वावे ॥ कु
पात स्य वी भ्या हुने नमो श्री भवानीः जगत ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥
॥ एग ग्रा एती ताल नो ॥ ॥ जलु मी दला पद कृ दान भवामि
॥ दान्क सौ ते हुनः दक्की नी हालः जय ॥ १ ॥ ॥ गी वर्व की न
ए पुने हा हा ही गी गा ॥ भुत पी सा चनी हाः द फु वजायः ज
य ॥ २ ॥ भय परकास कहयः वद स्य वर गोवे ॥ नी सी दी न
स ही मो ही नी ती ही एषः जय ॥ ३ ॥ ॥ ॥ एग ग्रा एती ताल
जती ॥ ॥ भव सा ग एता नी त ए जा नु ॥ यद वी वी दे वी पु
पुजा भवानी ॥ १ ॥ गम्य अराधी वाः वल सर्व सी वी ॥ एव
न भा एियाः वल सर्व सी वी ॥ २ ॥ जलु पद ला द है देवरा

आरौ॥ कतकपोर्योः पुरुष भवानी॥ ३ ॥ सीवीवरनदीनीः
 दशासवेदोरेअजअनुएवः सुरजसुरानी॥ ४ ॥ तहीककरी
 यः अनुपरीनाम॥ पतीपरजअतरजसुनाम॥ ५ ॥ नीजगवा
 नीकपसभाव॥ स्पसुषहात नीः स्पवकनयाई॥ ६ ॥ कवीप
 रतापपलपहोभने॥ जेजुगुतीसुअनुस्पसुषपाई॥ ७ ॥
 ॥ रागभारसीतालचो॥ ॥ नमो२ नमोदेवीत्रीभुवनतारी
 हे॥ वीकतकअनुपरः मईरवीकालीनीः नमो२॥ ८ ॥ भुष
 ननरपतीः दमरुणा नीहे॥ भुपजगतअयः मंगलगाई नमो२॥ ९ ॥
 ॥ रागभारसीतालजती॥ ॥ जयनीत्पनाव्येस्वरः जयनीत्प
 नाथ॥ नंदीनींदीनीलः दधतस्पवीमाव॥ ग्रीसुलदमरुजास्प
 रसनहीताव॥ भगतपाभनसापुरेयाकदीन॥ १० ॥ ॥ ॥
 ॥ रागभारसीतालगद॥ ॥ कहनकरीयोदेवीः राघईसरनगती
 जगतजननी॥ सकलदाहीनीः ग्रीभुवनमंगलकारिनीः जयपदी
 के॥ ११ ॥ कनकमतुकसीलः रतनवतभुतससीः करितमोहीनी॥
 भक्तकपारीनीः भगवतीमंगलकारिनीः जयचंदीके॥ १२ ॥
 गलसनपुडमालाः व्यधनीव्याघ्रचर्मः भुवनईस्वरी॥ बदगव
 स्परवारनीः अनुपममंगलकारिनीः जयचंदीके॥ १३ ॥ सुरन
 देवीपुजः परेजनसर्वसंगः हर्ववदाई॥ सर्वसुखदाहीनीः सी
 वीवरदायीनीः जयचंदीके॥ १४ ॥ जयपराकासभुपजातीपर

कास मन्त्र तुल्य गुण गात्रै ॥ न कुरु धारीनी, जुगाजु गंगल कारीनी,
जय चंदीके ॥ ५ ॥ ३३ ॥ राग मार सीताल चो ॥ ॥ मुंद माती
नी चंदीके जय ॥ ॥ ॥ पतत कत कत, वीक त बाहीनी, मुत क मु
म मु म रूनीनी ॥ द म ह दी प्री, भोग दाहीनी, तारीनी श्रीनी धारी
नी जय ॥ ६ ॥ ॥ र कू वी ज सु मे व सो जीत, चत क वत, चंदी नी ॥
पत क ला क य मो ह कारीनी, काली काली नी कारीनी जय ॥ ७ ॥
ईंद्र चंद्र कु वर दी ग पती, सकल सुरग न वंदीते ॥ ब्रह्मा वा लु मे ह स्व
र सकल, जो गी नी ग न पु जीते जय ॥ ८ ॥ ॥ वी न य न प मु ष वी न ति
गो न ल, जननी तु वा प द अ वी के ॥ सु ग ती जी ता प्री अ भा व भा षी त,
आ र्थी प द चंदी के जये ॥ ९ ॥ ३३ ॥ राग मार सीताल चो ॥ ॥
पर गत जननी अती वी क लाल नी पीं कु ल ना सी नी, न व म य ता र नी
ना च य बी न अ ती, ना च य त न यु वी, न ई र व वी द्य चंदी कु मारी ॥ ३३ ॥
राग मार सीताल चो ॥ ॥ ॥ न ज ले पे व ल काली को दे वी, न ज ले पे
व ल काली का ॥ अ ती न पर ल न, जु घा व द र ल न वी हु ने, न ज ले पे व ल
काली को दे वि काली का ॥ १ ॥ ॥ जन धन ला व न हू हू ल ह थ्य, च ड
धी न व ली या ॥ सी ल ल क व न से ल थि क, ग ल ल लो ल को षा या
दे वी, न ज ले पे व ल ॥ २ ॥ ॥ सु म ल पा य पा ती, प्री भा, नी ल न व
र पा ॥ ये न ना व अ ती न, जी म न न ज ल न, अ ती ह ता न ल सी ह
या द ॥ न ज ले पे व ल ॥ ३ ॥ ॥ च नी न ह्य ची न, अ ने ग र ल न, ज ग

तल बलपुः भावती॥ चरनस्पवकः स्वहुने कहनानः जयपारकासनः
 भुपतीजयः भुजलेपे॥ ४ ॥ ३३॥ रागभारती ताल भोगी॥ ॥
 असुरनः सल चरनतुष नयास्प॥ लोक भगतीः भजन दुर्मय मोने॥
 केनही तोहरल चीतलाय॥ केनही अपनेः मनोचलोये॥ ३३॥
 रागभारती ताल अवर॥ ॥ चंदी भवानी आदीकु मारी नीः
 मुनीगन मारी लीः जयठकुरानी॥ हादे भव भय भजनीः दुर्गती
 तारीनीः नीपतनी बालव पद्मपानी॥ ३३॥ रागभारती ताल नो
 राजदेही मलरि राजजुधीः राजदेही मलरि रभा॥ जयती जय २ तं
 मरायः एजीतानी पदपुजा जयः राजा तही म॥ ५ ॥ जगनभि
 मस्पनः तांती श्रीधन कुचीतात ते मुद्र जा॥ भवती नीलगतीः दर्
 त्यगन जुधीः श्रीम भद्र व नंदीनी जयेः एजते॥ २ ॥ असुलव
 ल सुनः हासत सदुरः अहंता सुरलाधीनी॥ कर्तीः कर्ती रहली चा
 रीनीः संभकीरती कोपी नी जय॥ ३ ॥ पुरीतः तप २ सालघापी
 तः तारका यतीरुपीनी॥ कालीका पुतरु पीनी जुधीः कालीका
 पुतरु पीनी जय॥ ४ ॥ भुप जय जग असु सुवीर मका भव
 साधेहे॥ वीर सता जुधीः अनी आहीनीः की मुखदंत मुखलप
 ती जयः राजा ५ ॥ ३३॥ रागभारती ताल भोगी॥ ॥ ॥
 आजु देवीयः पारु नजन नीः सुरनरहावी तेः वदन मुग करीः
 सी हलगनी॥ ५ ॥ कोपा चनी हए ह हाजी तरेः गी भुवनतीर

त्रीयवर्गवारीही मलाभः पातगुनी ॥ २ ॥ ॥ ॥ ॥ रागमाहसीताल
 को ॥ ॥ नीतपभई एवउकोकल लफनालकार भुवन जयेहे ॥
 बदगवारीनी दुल्लमारीनी मक्कपाली उनीके जलई मारुव
 हे ॥ १ ॥ नीपती श्रीगौरी नानजुव वीकमसाह राजरा जेइहे
 म्पवकपारीनी अमयदालीनी नाचप्रहरणीत मजीनी जयभई
 रवेहे ॥ २ ॥ ॥ ॥ ॥ रागमाहसीताल मति ॥ ॥ मातोदेवी जयर
 गुज्जकाली श्रीभुवनएनीरी श्रीसीधीवरदाता श्रीपुरापुरमारी
 नी ॥ अंगमनीगमतुक् देवीजगतजननी मातोदे ॥ १ ॥ बदगव
 म्पर श्रीसुरदमतु पुंड्रमाला वारीनी सुभासुभदुमलोचन
 सीलघदग प्रहरिनी मातोदे ॥ २ ॥ श्रीजयचक्रानी नलोकपा
 लीनी सीवसक अर्धश्री रूपवरदाता मातोदे ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥
 रागमाहसीताल को ॥ ॥ हेमालयाउन मनुकरूप मीन गल
 स नरमो लमालहे मातीहा एनीक पायलललथीक अनेगस
 इनेनलीक जुधीसछार लानसीबालपे इस्वी ॥ १ ॥ प्यका
 लाहातीस श्रीसुलदमतु वर्गपात्रजास्य दफोवयेली लईया
 सुर सुभनी सुभनीलीना कस्याकेहेदेवी इस्वी ॥ २ ॥ गुगु
 वाजनव्या नाग दैत्य व अतीलाक वीक तेज नदुवाकहे सुभनी
 सुभनी व्याक नलजोनातलाक वासेस्यकुतीमु तीपाकेट
 देवी चरन ॥ ३ ॥ सीवतजुलडुली नलनलोक मुभदुममही

षकं नेहे ॥ मीती आइवसुकु मंगलतनाए ; जननीया ल्यवके हे देवी
 चान ॥ ४ ॥ ॐ ॥ रागमाएसी तालनी ॥ ॥ वयावदिदर लनवीव
 वासदी चानस ॥ श्रीजयछास्का मीनी हे माल भुमीयाएनी
 चान ॥ ५ ॥ भगतजननी ल्यवा ; वीहुमसुषवरदा नेहे ॥ झाक
 लयावीनतीस ; अनाथसीयावदिन चान ॥ २ ॥ संलालयास
 नतजुल ; लागवेदग्रह ॥ आसुनसुकु पक्षे प्रतीपदा सनीवार
 चान ॥ ३ ॥ नीपालयाद्वनपती ; राजीद्वीक्रमलोहे ॥ परजावीचा
 जयाव ; नेहु नेहीक छनान चान ॥ ४ ॥ ॐ ॥ रागमाएसी तालनी
 जोती मालीनी ; जोगीनी तुह २ ॥ ॐ ॥ जोती माली नीजयजोति
 माली नीजोगीनी ॥ नपरी नीवहरीनी ; व्यगवाहिनी तारी नीज
 यजोती ॥ ५ ॥ असुरसुलनद्वनकारिनी ; षदगफेतुक धारिन ॥
 भगत मवीच ; दुलफालीनी दुब मयवी सीनी जोती ॥ २ ॥ ति
 पतीकुरपती गालकालक ; ग्रीवा म्नुधवी क्रमोहे ॥ भुपतीभानी
 के ; पादक मलकोती वीदीत ; मय मजीनी जय ; जोती ॥ ३ ॥ ॐ ॥
 रागमाएसी तालजती ॥ ॥ आहा ; देवी जगत हे मतीपाल ॥ ॐ ॥
 आदीपदी वाकु मलो चनि ; देवदेवी धराया ॥ चंडमापीच ; भा
 नुदीपक ; दयजन वध्याईये ॥ आहा ; देवी ॥ ५ ॥ वल्लेकेकु देवमु
 नीजन सीव स्वमादी लगार्थे ॥ नीहतीनि ; लाग लाग म ; अध
 नवेनुवजार्थे ॥ आहा ; देवी ॥ २ ॥ चउथीहेगुन ; चारवदकी

चलन तोही उवालीया ॥ पंचहीवारमः अंगतावनदेके गुनगए
 य ॥ आहा देवी ॥ ३ ॥ स्वस्तिहे सलः स्वादलीनुः स प्रसीपल
 यानीय ॥ आः श्रीकलः घदगलीनुः कालीकाली श्री भोगया ॥
 आहा देवी ॥ ४ ॥ नवमीघलघलदागलीनुः जगतमगलगाई
 पे ॥ दसमीदरसनः तीरको नीपतीके देवीसंग स्वहाईये ॥ ५ ॥
 हा देवी ॥ ५ ॥ ॥ रागभारती तालजती ॥ ॥ जयगुज्यस्व
 रीजोतीमाला मुखीनीपतीके जय नारीनी ॥ ॥ सींहवाहीनि
 घदगव्याही नीः पचनीपालः वीराजीनीहे ॥ बहुवीत्तरूपजल
 पसुपतीसंगमः खेलतधनधसुव्यति ॥ जयगुज्या ॥ ६ ॥ नव
 वीनवदुर्गाः तुमजगतमातादागतीहीधावलीजीरे ॥ रूपधीस्ताली
 याले असुरवीदालयेः जगतकोपतीपालनी ॥ जयगुज्या ॥ ७ ॥
 हीराएवः अपलाएरालथकनकमतकस्वमीनीरे ॥ चोरस्वरूप
 नीपलेः रनवाहादुरजीवीवलदानदीजीये ॥ जयगुज्या ॥ ८ ॥
 रागभारती तालत्रिती ॥ जय नईरवआजुः जगतमास्वामी ॥ दैतक
 स्वभाए कः वीविनेवधारी ॥ सीलसमतुकलुजाः वृवनजाधीका
 होएजय रथानवीराज्य ॥ ९ ॥ रागभारती ताल चौत ॥
 दाननईरवनाथे ॥ १० ॥ दाननईरवनाथे श्रीप्रपन्ननईरवताय
 हे ॥ दीगुली चालसः प्रयाप्रपरेदसः लजलपीहुनेप्रभु मगतमना
 व ॥ नाचनईरव ॥ ११ ॥ स्पवकजनपनीः चीतमिलेजुलसर्वाभाव

न पुज्यो ॥ आसुन मातयाः प्रथमदीनसः श्री जथाप नमुजई देव ॥
ध्यान भई देव ॥ २ ॥ आसुन अष्टमी छद गठावनः असुर मही
षासा धीनी ॥ नवमी घर घर देव देवी को भोजन च धाई घे दे
व ॥ ध्यान भई देव ॥ ३ ॥ दसमी दीनसे देव देवी नही नावः
असुर सहारहे ॥ वषट् पुत कुत्पः स्पवक जन स्वस्पः रसन
भोग लगारि देव ॥ ध्यान भई देव ॥ ४ ॥ हाकलया धुगुली
पुत फी दुख दुलीः स्वहुने कह नादी स्ती नहे ॥ चोना जी परे
सः लुमन परे जनः धी हुने अमय वरदा न देव ॥ ध्यान भई देव
॥ ५ ॥ भुपती गीरीवानु धवी क मला हवः धाकुरी खजेहे ॥
वेद श्रीराम भुवनः नाग जन संगितः सर्व जन गारि देव ॥ ध्यान भई
देव ॥ ६ ॥ ॥ राग भासी ताल धजती ॥ ॥ भगवति
ने हुने बीन ती कहना ॥ ॥ मधुकई तव लई वा सुर स्पाना
वः पाना प जगत नी दान ॥ इन्द्रादी देव गनः मुनी जन पनी स्पन
सुमल पुः पाली पले ध्यान ॥ भगवती ने हुने ॥ ७ ॥ धुमव
लोचनः चंद्र मुंदरः रस्य हरः रक्त बीज बाही तो नाव ॥ सुं
सुं भ मनी धस्पः रसन सीतावः वस्पल वल पुः भगत वनावः
भगवती ने हुने ॥ ८ ॥ भुल पाव चोना मनः पाप सतु चान
हीनः म मात पादी भजन ध्यान ॥ भु मा पाय मात दीनः सी
पाव वार वती नः भेष म दुगती दीवी नाना ॥ भगवती ने हुने ॥

॥ ३ ॥ कुमुदीनीदेवीनः हाजलपा लाहातीनः स्वाप्तीमहीत
 नलाना ॥ सोगुतीलोकयावनीदीपालीपरलपनीः वीहने
 मनाधसीसे ॥ अगवतीनेहने ॥ ४ ॥ ३३ ॥ रागमालीता
 लपंचमी ॥ ॥ नमोयकदसली ॥ सतदसभुजे ॥ स्वतवदनमु
 खध्यानस्वरूपे ॥ चीतमै श्रीकृष्णाय कुरु सर्वलोक ॥ नीसि
 दीनलोकलोर चाननमाप्ती ॥ नाथ श्रीगुवनभगवानगति
 अनोथतोहं गुनगाईहो ॥ चानलानलोकनाथ ॥ ५ ॥ ३४ ॥
 रागमालीतालगाद ॥ ॥ जयकमीनीदेविः पतक्षजोति
 रपीनीः स्ववदुपीनीः त्रैलोक्यापीनीदेवी तुमसंपरतार
 श्री ॥ जयकापीनी ॥ ६ ॥ नमोजगतजननीः जगतउच्चार
 नीभवानीसुल ॥ नौपुलहादादीमोतीमाला चंदसुजातीनि
 जयकापीनी ॥ ७ ॥ कुरुनातकलीतुमः उलमंतमईह
 मः धनहीनजानी ॥ कैस्पनीवाहहोई देवी तुमसकतोरी
 श्री ॥ जयकापीनी ॥ ८ ॥ सागरगुवननागः भाइवअधमी
 सुदीः पतदीनभोव ॥ बैसवीवालष श्रीजयराजीइवीकुम
 नी ॥ जयकापीनी ॥ ९ ॥ ३५ ॥ रागमालीतालपंचमी ॥
 होदः अगवतीतानीः नमोइमालाः श्रीसुलदमहधारीः असु
 रसंहारी ॥ दानवजुवीरकः सागरगुमी ॥ जोहोप्रफासप्रभु
 स्ववकउच्चारि ॥ कृताजलीजगतकीतोहर चलन ॥ १० ॥ ३६ ॥

रागप्रार सीताल लोचो ॥ ॥ नमो नमो देव हय ग्रीवराज पात नमो ॥
॥ ॐ ॥ होदे वसपो त्यावरा जुल रक्तवर्न ॥ ग्रीववन नाथ वीर राज
पात नमो ॥ १ ॥ होदे वसपा नाम कास्प वया जीनथ नीधन ॥
भगत पातन पुरनी पावन नमो ॥ २ ॥ होदे झाक ह्य अनाथ सि
स्प का मा पात ॥ भुपती सीरी जय सुरेन्द्र राज पात नमो ॥ ३ ॥ ॐ ॥
रागप्राल सीताल पंचमी ॥ ॥ नमो नाथ स्वः हर संघा वि
राज्ये ॥ नाचक सफल कृपा अपुरव धाने ॥ तीलेक घन देवी दे
वी दे वी एजे ॥ रंग अरंग जालः रहम नमो ॥ कहय क नीसी
तीन दुख तारनीः पुरहम नर ध का ऐ नी ॥ भगत जान नीहे ॥ ४ ॥
रागप्राल सीताल लोचो ॥ ॥ नमो नमो देवीः ग्रीववन तार
नीहे ॥ वीकत क अनुप ॥ अरि व का ऐ नीः नमो ॥ १ ॥ ॐ
वन नर मुंडः ग्रीसुर दं मरु धा ऐ हे ॥ भुपती जगत जय र मंग
लगार्थि यः नमो ॥ २ ॥ ॐ ॥ रागप्राल श्रीताल गद ॥ ॥
जय र जोगी नीवीन ती सुनीय माता चर नदी पाली ॥ कोति र
असुर संघा रीनी चदी नीः वीन ती सुनीय कह ना ॥ १ ॥ व
हस अती वील को धकी या अह काल तया भाग सुर ॥ व
रग ग्रीसुल धारीः जननी चदी नी वीन टी सुनीय कह ना ॥ २ ॥
नर सील जप मालाः मोती हिय वसु बः तेज भये कर लप ॥ ते
ज स्व भाः र क्तवर्नः जोगी नी चदी नीः वीन ती सुनीय कह ना

॥ ३ ॥ स्पवक जानीये देवी जयपाकास पुपती सुदीली रा
षीया जनहो भगवती जनपती पा वंदी नीवीनती सुनीय
करना ॥ ४ ॥ ॥ रागमाल श्रीताल जती ॥ देवी स्व
गुली भुवनयाथकुरा नी दी गुली चल सदाने ॥ कु ॥ सुत्र
नी सुत्र असर मही घा थीती अतीवलता ॥ दईते अतीवल च
मात्र लती २ ग्याकः सफल संसाले ये देवी ॥ ५ ॥ असुर जनप
ती काल नलित करः म बुधे तव अहंकारे ॥ जोगी नीगन २ मुना
बलती २ पात फुल के उपाय ले देवी ॥ ६ ॥ नन्पाव सवदन
धी धी हत फलः वन पोतु २ धाने ॥ वास्ये स्प करन २ सवद दुल्लु
न २ दम वा जनपास लसः जय ॥ ७ ॥ सुत्र नी सुत्र पास ल
चीकः वना वल फल असुर त ग्याकरे ॥ ववन च स जो अपर तु
ती न लल सु स्प गुल सु र ल ई बायो ॥ जय ॥ ८ ॥ हा ल दाग रा पा
पल मुद्र मालः स्वय न नय कर ध्याने ॥ ही या सुती जु स्प २
ह्या फल मुद्र लान परगत ये नी नी जय ॥ ९ ॥ जंबुक फल लुन
काष फल लः जु लयो गी र्व पु न्पा को ॥ ग थी न सु मे ॥ भु
तग न व्यतालः अती न ही तो ने द धारे जये ॥ १० ॥ स्प
स्पवक दय के वप पी फु त के न न ल अती र स ता वे ॥ देव न
देव शा स्प २ लोक न ना म का स्प स सा तथा म दु दिवी नान
रे जय ॥ ११ ॥ सलाल के स्पतया आनंद फल वी या

लोक भाजन वाच्यं चालयद्द्वयं च ॥ ब्रह्म ह्यग्राह्यं च
न रथा कुर्यात् आनन्दं फलवत् प्रावर्धनीं च यदेव ॥ ८ ॥
रागमालं श्रीतात जतो ॥ ॥ मद्रव्या इने जी ३१ ना ८५
प्वार ॥ ॥ जय मद्रवनी तवर्न पलया नागकंद
तन सुपाव ॥ सील लमतु फलमतु फलाः कवन मालन लो
पाव्य तात आलनया स्पदीकः मद्रव्या १ ॥ गल लो
लपा मातः लाहा तीवर्ग जोत्पः अतो मय कर रूप ॥ पुं
गु लीज सही स्पः सार सहे ललोपा जता स मुद्रमा अती
धीकः मद्रव्या २ ॥ वल पातु ती पालीतः पापत र्घंग
लात स्पः श्री पुवन नन नन धीकः ॥ मोने एत गुला नलः
जोगी नीलोत्कावः मगत उधार पास्प दीका मद्रव्या ॥
३ ॥ नीपती श्री जोती रैपका स मल्ल पुपती माः वीसु
मय पुका वदीना ॥ वाल वलीपा वदीनः सो हुने कतना
तल मव मद्रुगती दीवीना ॥ मद्रव्या ४ ॥ ॥ ॥
रागमाल श्रीतात अवर ॥ ॥ जे मज मोहीनीः कोरी
नी देल सभा ॥ श्री लुलं वर प्वार सीह वी वाने ॥ वत घ
तर क्क धारपी व ॥ मगत जानी हे ॥ ॥ ॥ रागमाल
ल श्रीतात ली ॥ ॥ सजर जल दल लुद लुव काली ॥
ग्रीनयन धार पुलः सजन पु ली देवी भवानी ॥ ॥ ॥

[illegible]

वी॥ भजलपे॥ १ ॥ कधधरावलः स मेरु रूमा च दत्ताठ
न ध्यातयो॥ सीलललुमनुकः कनन इलधीकः गललमेला
मालुः कोषापादेवी॥ भजलपे॥ २ ॥ सुनलपापः पाली
पलेनी चेः नी एमनतु मा एपा॥ घनावलो मनलीमन
ल मलनः अतीरुतासन स्पतालपदेवी॥ भजलपे॥ ३ ॥ घ
चीनर अनेगहपनः जगतलवलपु भगवती॥ चलस्प
वकः स्वदुनेकह नानः जयपकासल भुपतीदेवी॥ भज
लपे॥ ४ ॥ ३३ ॥ रागमाल श्रीतालजती॥ ॥ भग
वतीही भगती मात नलापा॥ कु॥ एनीपुदुवा
ही सुस्पहन नहाला॥ लई धादि असुस्पाना॥ भगवती॥
॥ १ ॥ वसीवन उतीवालः चलदधेधेधेवाल॥ लकुला
हाती धानाव॥ भगती॥ २ ॥ कीरि सप्रसाने श्री भुवन
धोकहाल॥ पीपी च्याकधनना हधाना॥ भगवती॥ ३ ॥
गतलमोलमालः सीलस चद्रमाना नूहाकललीनदीस्प
ठकावातभगवती॥ ४ ॥ ३३ ॥ रागमाल श्रीतालजती॥ ॥
भगवती भदुजीगती दीवीना ने॥ दोलदीलुतुधुला
भेगुनह याम दुफईनवस्य॥ भगवती॥ ५ ॥ असु
लमयनः गपाना वदेगनः सलवव धमाने॥ भगवती
लहीनः मालाहीतनः लई धासुस्पाना॥ भगवती

॥ २ ॥ धुं भुलो चन चंद्र मुकुट; लहलहा चातव पावे ॥ हाता
 वनी सान; दुधाकसीं हन; फुतकु अनेगन याव ॥ गगवती ॥
 ३ ॥ र कवी जय; काती रीन जा वधनावे ॥ लायात न अने
 रोहीनी कुठ न्यात; सन जुलपट्टे जन ॥ गगवती ॥ ४ ॥
 स्याक स्वभाव न; सु मनीसु मनीन; तजन लातव पावे ॥
 घानाव चस जो स्य; ल कुती रथ स्य वीकत धन गड्ड पाव ॥
 गगवती ॥ ५ ॥ चल लाल दळे पा लया; पेता पदला ॥
 न हन रे ॥ स्य वक जन दुव दीपा ली कोलत स्य; चाल घ
 भालपी कृपा ना ॥ गगती ॥ ६ ॥ ॥ गग माल श्रीताल
 चौपा ॥ ॥ असलं सल सल चीत जाने ॥ गग म
 गवती मजे नहु मनी माह ॥ केनही तो हल चल चीत जा
 ने ॥ केनही अपले मनो एठ भावे ॥ ७ ॥ तोहे स्य वक रे स
 मनो एठ ले ॥ इवु मी स्य वक आन दे देता ॥ पुवन लक्ष्मी
 मी देवी धीन तीवी चाल नी; पती मही इसी ह; एव मवा
 नी ॥ २ ॥ ॥ गग माल श्रीताल जन जाती ॥ ॥ जय मग
 वसी; नी स्य लकाली ॥ मव मव मजीनी; मजीनी माता
 आदी महे हसु र जाती ॥ १ ॥ असी वल च मकाटी; श्री
 पुवन रानी ॥ नेकत वहीत नय; मनी मय हा ॥ २ ॥ वीक
 त दलन बीज; तादीवी नारे ॥ स्य दुस्ती वीलीत मुनरी

॥ २ ॥ धुं भूलो चन चंद्र मुक्त; लहलहा चातव पावे ॥ हाता
सवीलान; दुधाकसींहन; फुतकु अनेगन पाव ॥ भगवती ॥
३ ॥ रक्कीजय; केतीर हीन जावधनावे ॥ लापातन अने
राहीनी कुठपान; एसन जुलपरी जन ॥ भगवती ॥ ४ ॥
स्पाक स्वभाव न; सु मनीसु मनीन; तजन लातव पावे ॥
धानाव चस जोस्प; लकुतीर थल वीकत धन वाहु पाव ॥
भगवती ॥ ५ ॥ चललान दळे जा लपा; पेता पदला ॥
गहनरे ॥ स्पवक जन दुव दीपा ली कोलत स्पवाल व
आलपी कृपा ना ॥ भगती ॥ ६ ॥ ॥ राग माल श्रीताल
चौपा ॥ ॥ असलं सललले चीत जाने ॥ भगवती
गवती भजे नहु मनी माह ॥ केनही तो हल चल चीत जा
ने ॥ केनही अपले भनो एठ भावे ॥ ७ ॥ तोहे स्पव करे स
भनो एठले ॥ इवु श्री स्पव आन दे देता ॥ भुवनल की
भी देवी धीन तीवी चालनी; पती मही इसीह; एव भवा
नी ॥ २ ॥ ॥ राग माल श्रीताल जनती ॥ ॥ जप भग
वती नीस्प लकाली ॥ भव भव भजीनी; भजीनी माता
आदी भेहे हसुल जाती ॥ १ ॥ असी वलन चमकाटी; श्री
भुवन रानी ॥ नेकन वहीत नय; मनी मय हा ॥ २ ॥ वीक
त दलन बीज; तादीवी लोटे ॥ स्प दुस्ती वीलीत मुली

तकेला ॥ ३ ॥ नीपतीत कुत मनीः जगजयेदेव ॥ पातु
सदा तलः पणुग लपवा ॥ ४ ॥ ॐ ॥ रागजात श्रीताल
प्रता ॥ ॥ वीजयकारा जे देवी वीराजेः प्रानत लोक सु
चारे ॥ ६ ॥ हात धुर पड जसा हयक मल लखे ॥ हवी
ए पान घांगन त धनी रीत हुल लभा ॥ ७ ॥ सप्त तदे
चपः असुर मो चपः सो नीत कड तु कटु प ॥ चप
जुगल पामो हत नी मजु लपुल को ॥ ८ ॥ मुड तातीने
दुलीत हाणिनीः सकल मोहन करे ॥ पर्वत जर लई वासु
देवः सीर काती प्रान रहे ॥ ९ ॥ सकल सुधरेः असुर मो च
नी घाग घपर धरे ॥ सुमती जय पका सुकेः कर जो रि
मा न करे ॥ १० ॥ ॐ ॥ रागजात श्रीताल चा ॥ ॥ ठान
नाथ वीराजेः हेतु मठान नाथ वीराजे ॥ ११ ॥ सकल वर प
दः जगत रवेकः वीद्य मय करी हात के ॥ लकर नतीत ती
देवदा नवः ज्ञान नव पुनी स्पधीत तुता ॥ ध्यान नाथ ॥ १२ ॥
अंधीर चंचलः जर मावकः मोहवी प्रमगावका ॥ इडी
सीन रजनः जामदरः वासत तवरः पालक गुनतुता ॥ ध्या
न नाथ ॥ १३ ॥ वीजतल मुदः अत नु मी ग्रीवान नु धवी
क महे ॥ नयन नुजवरः वर्च वचनः गीत सव जन गायी
य तु म ॥ ध्यान नाथ ॥ १४ ॥ ॐ ॥ रागजात श्रीताल पंच

